धनबाद, शनिवार
25 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 295
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे समेत तीन मांगों से कोई समझौता नहीं करेगी कांग्रेसः राहुल गांधी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (हि.स.)। नीट प्रश्नपत्र लीक मुद्दे पर संसद में चर्चा को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध जारी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस तीन मांगों पर अड़ी है, जिनमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के दोषियों पर कार्रवाई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा छात्रों से माफी की मांग शामिल है। हम इन मांगों से कोई समझौता नहीं करेंगे।

राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने उनसे कहा कि चर्चा होने दी जाए। जब वह जवाब देना चाह रहे थे तो उनका माइक बंद कर दिया गया और उन्हें बोलने का अवसर नहीं दिया गया।राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष का रुख स्पष्ट है। पहली मांग है कि भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार शिक्षा मंत्री को पद छोड़ना चाहिए। दूसरी मांग है कि जिन लोगों ने छात्रों पर हमला किया, उन पर कार्रवाई और जवाबदेही तय होनी चाहिए।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक जारी रहेगा हमारा आंदोलनः सीजेपी

नई दिल्ली, 24 जुलाई (हि.स.)। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शुक्रवार को सरकार पर जवाबदेही तय करने के बजाय भ्रष्टाचार को बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते, हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने एक्स पर कहा, गुरुवार रात शिक्षा सचिव का तबादला कर दिया गया। उनकी जगह पशुपालन विभाग के एक आईएएस अधिकारी को लाया गया है, जिन पर कई करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं।

उन्होंने कहा कि पेपर लीक और नीट से जुड़ा पूरा संकट सिस्टम में फैले भ्रष्टाचार का नतीजा था। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे अधिकारी की जगह दूसरे ऐसे ही अधिकारी को लाना पूरे देश के युवाओं का सीधा अपमान है।

दीपके ने सवाल करते हुए कहा कि क्या सरकार हमसे इसी समझौते को स्वीकार करने की उम्मीद करती है? यह जवाबदेही नहीं है। जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते, हम नहीं रुकेंगे।

प्रधानमंत्री पहले धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करें, फिर संसद में दें बयानः खरगे

नई दिल्ली, 24 जुलाई (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वीडियो संदेश के बाद कहा कि प्रधानमंत्री को संसद के बाहर एकतरफा बयान देने के बजाय संसद में आकर जवाब देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री सदन में आने से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करें, छात्रों से माफी मांगें और छात्रों पर लाठीचार्ज तथा पैलेट गन के इस्तेमाल के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।खरगे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि जब संसद का सत्र चल रहा हो तो प्रधानमंत्री को संसद के पटल पर बयान देना चाहिए, न कि देर रात वीडियो जारी कर संसद के बाहर अपनी बात रखनी चाहिए। सदन में आने से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाकर आएं।कांग्रेस अध्यक्ष ने राहुल गांधी की ओर से उठाई गई मांगों को दोहराते हुए कहा कि सरकार पहले छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे और शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठी-डंडों तथा पैलेट गन के इस्तेमाल के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

इसके बाद ही शिक्षा व्यवस्था में सुधार और परीक्षा प्रणाली पर विस्तृत चर्चा की जा सकती है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार देर रात जारी वीडियो संदेश में कहा था कि

हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में पहाड़ी से गिरी चट्टान की चपेट में आई टाटा सुमो, 13 लोगों की मौत, दो घायल

शिमला, (एजेंसी) :हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला लाहौल स्पीति में शुक्रवार को एक सड़क हादसे में 13 लोगों की जान चली गई। उदयपुर थाना क्षेत्र में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की मुख्य सड़क पर कढूनाला-राहौली के पास पहाड़ी से अचानक गिरी भारी चट्टान की चपेट में एक टाटा सुमो आ गई। हादसे में वाहन में सवार 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। दोनों घायलों को बचाकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। हादसे के बाद पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

पुलिस के अनुसार, टाटा सुमो (एचपी-01एम-2210) में चालक सहित कुल 15 लोग सवार थे। वाहन को बीर सिंह चला रहे थे। कढूनाला क्षेत्र में राहौली के पास पहुंचते ही पहाड़ी से अचानक बड़ी चट्टान नीचे आ गिरी। वाहन सीधे उसकी चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही

अधिकांश यात्रियों की मौत हो गई। चट्टान गिरने से वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया।लाहौल स्पीति की उपायुक्त किरण भड़ाना ने बताया कि हादसे में वाहन में सवार 13 लोगों की मौत हुई है, जबकि दो लोग घायल हैं और उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया है। उन्होंने कहा कि हादसा चंबा जिले के पांगी और लाहौल स्पीति जिले के सीमावर्ती इलाके में हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी मृतक चंबा जिले के पांगी क्षेत्र के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि जिला लाहौल की पुलिस चौकी तिंदी और उदयपुर थाना पुलिस मौके पर मौजूद है और आवश्यक कार्रवाई कर रही है। मृतकों की पहचान की जा रही है। पहचान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा और उन्हें परिजनों को सौंपा जाएगा।

यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब प्रदेश में लगातार बारिश के कारण भूस्खलन और चट्टानें गिरने की घटनाएं बढ़ रही हैं। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान पहाड़ी मार्गों पर यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। संवेदनशील इलाकों में यात्रा से पहले सड़क और मौसम की जानकारी लेने की भी सलाह दी गई है। बता दें कि प्रदेश में मानसून ने 30 जून को दस्तक दी थी। इस हादसे से पहले बारिश से जुड़े हादसों में 75 लोगों की मौत हो चुकी थी। लाहौल स्पीति की इस दुर्घटना को मिलाकर अब यह आंकड़ा बढ़कर 88 पहुंच गया है। मौसम विभाग ने 27 से 29 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रशासन लगातार लोगों को खराब मौसम के बीच अनावश्यक यात्रा नहीं करने और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की एड-वाइजरी जारी कर रहा है।

पेपर लीक संशोधन बिल को कैबिनेट की हरी झंडी, 27 जुलाई को होगा संसद में पेश

नई दिल्ली,(एजेंसी) : केंद्र की मोदी सरकार ने पेपर लीक संशोधन बिल को मंजूरी दे दी है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में महत्वपूर्ण विधेयक पर मुहर लगी। माना जा रहा है कि बिल को 27 जुलाई को संसद में पेश किया जा सकता है। यह फैसला तब आया है जब कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों से जुड़े वीडियो संदेश में पेपर लीक के खिलाफ कड़े कानून बनाने की बात कही थी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा था कि पेपर लीक कोई मामूली मुद्दा नहीं है और यह लाखों छात्रों तथा उनके अभिभावकों के लिए बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने पिछले ढाई महीनों में दोषियों को पकड़ने, उन्हें जेल भेजने और कम समय में 22 लाख छात्रों की परीक्षा फिर कराकर 19 जुलाई को परिणाम जारी करने जैसे कदमों का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि हमारी सरकार इतने से संतुष्ट नहीं होगी और फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

इस बीच, कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देने के लिए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेसवार्ता की। हालांकि, उन्होंने पेपर लीक बिल से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने मुख्य रूप से कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में रेल परियोजनाओं को मंजूरी और रासायनिक क्षेत्र के लिए 3,030 करोड़ रुपये की नई योजना की जानकारी दी।

विधि पोर्टल 2.0 लॉन्चः झारखंड में सरकारी मुकदमों के डिजिटल प्रबंधन को मिलेगी नई रफ्तार

रांची : झारखंड सरकार ने सरकारी न्यायालयीन प्रकरणों के समग्र और प्रभावी डिजिटल प्रबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए ह्यविधि पोर्टल 2.0ह्ल का शुभारंभ किया। झारखंड उच्च न्यायालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में महाधिवक्ता रोहिताश्य रॉय ने पोर्टल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सचिव आईटी श्रीमती पूजा सिंघल, सचिव, विधि विभाग श्री नीरज कुमार श्रीवास्तव, वरीय एएजी श्री अच्युत केशव सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विकसित ह्यविधि पोर्टल 2.0ह्ल को राज्य की डिजिटल सुशासन यात्रा में एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। यह पोर्टल आधुनिक तकनीक के माध्यम से सरकारी मुकदमों के प्रबंधन को अधिक पारदर्शी, दक्ष और जवाबदेह बनाने में मदद करेगा।नए पोर्टल के जरिए विभिन्न विभागों, विधि विभाग, महाधिवक्ता कार्यालय और सरकारी अधिवक्ताओं को एकीकृत डिजिटल मंच पर जोड़ा गया है।

इसमें रियल-टाइम मॉनिटरिंग, स्वचालित अलर्ट, स्मार्ट कार्य प्रवाह और उन्नत विश्लेषण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो समयबद्ध निर्णय और प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करेंगी।

पोर्टल के इस संस्करण में 20 से अधिक नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इनमें ई-कोर्ट्स प्रणाली के साथ एकीकरण, स्मार्ट कॉज लिस्ट, दैनिक-साप्ताहिक केस डाइजेस्ट, एग्जीक्यूटिव डैशबोर्ड, केंद्रीकृत नोटिस प्रबंधन और मोबाइल एप जैसी सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कानूनी विश्लेषण को भी इसमें शामिल करने की योजना है।

महाधिवक्ता रोहिताश्य रॉय ने कहा कि यह पोर्टल राज्य में मुकदमों के बेहतर प्रबंधन और न्यायालयों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं सचिव पूजा सिंघल ने इसे तकनीक आधारित पारदर्शी शासन व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। पोर्टल के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों के अधिकारियों और उपयोगकर्ताओं को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि इसकी सभी सुविधाओं का अधिकतम लाभ लिया जा सके।

पारंपरिक मूल्यों का अभाव दूर करने के लिए महिलाओं के साथ पुरुषों का भी प्रबोधन जरूरी : मोहन भागवत

नई दिल्ली, (एजेंसी) :राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि पारंपरिक जीवन मूल्यों को बचाने के लिए महिला और पुरुष दोनों का प्रबोधन आवश्यक है। युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए परिवार, कुटुंब के महत्व को ध्यान में रखते हुए संवाद जरुरी है।

इंडिया इंटरनेशनल आंबेडकर सेंटर में शुक्रवार को आयोजित ह्ययुगानुकूल मातृत्वह्ल पर विश्वमांगल्य सभा की दो दिवसीय प्रबोधन बैठक को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संबोधित किया।

इस मौके पर उन्होंने परिवार, समाज पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर कहा कि तकनीक का उपयोग करना चाहिए लेकिन उसका गुलाम नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने से पहले उसका स्वयं पर पालन करना चाहिए।

समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं सशक्त हैं, उन्हें अवसर देने की जरूरत है। आज के बदलते परिवेश में

परिवार चलाने का दायित्व भी महिला और पुरुष दोनों पर समान है। अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध हो और परिवार में अधिक संवाद हो तो अपनापन बढ़ता है। इसलिए परिवार को एकजुट रखने का दायित्व महिलाओं के साथ पुरुषों का भी है।ह्ययुगानुकूल मातृत्व विषय पर मोहन भागवत ने कहा, ह्लमातृत्व की आवश्यकता मानव जीवन भर बनी रहती है। ऐसा नहीं है कि यह आवश्यकता केवल बचपन तक ही सीमित रहती है। दस-बारह वर्ष की आयु के बाद, जब बच्चा बड़ा हो जाता है, तो वह कम आज्ञाकारी होने लगता है। सबसे पहले वह अपनी माँ की अवज्ञा करता है। क्योंकि यदि वह अपने पिता की अवज्ञा करता है, तो उसे डांट पड़ सकती है, लेकिन माँ के साथ उसे यह भय नहीं होता, इसलिए वह पलटवार करता है, जिद्दी हो जाता है और इस तरह की हरकतें करता है। यहाँ तक कि जब प्रत्यक्ष शिक्षा जीवन को पूर्ण करने के लिए आवश्यक नहीं रह जाती, तब भी भावनात्मक सहारे की आवश्यकता बनी रहती है। एक स्वाभाविक और हमेशा उपलब्ध स्थान जहाँ कोई जाकर रो सकता है, जहाँ उसे शांति मिल सकती है, वह स्थान हमेशा माँ ही होती है। इसलिए, यह आवश्यकता मानव जीवन भर बनी रहती है।

ह्ययुगानुकूल मातृत्व ह्ल विषय पर डॉ. मोहन भागवत के सार्वजनिक उद्बोधन कार्यक्रम में जम्मू, श्रीनगर, अनंतनाग, लेह-लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर , पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न क्षेत्रों से 800 से 1,000 महिलाएं शामिल हुई। महिलाओं ने बदलते सामाजिक परिदृश्य में मातृत्व, परिवार, संस्कार और राष्ट्र निर्माण के विषयों पर अपने सवाल पूछे जिनका जवाब सरसंघचालक मोहन भागवत ने दिया। इस मौके पर डॉ वृषाली जोशी की पुस्तक युगानुकूल मातृत्व की अवधारणा पुस्तक का विमोचन किया गया।इस मौके पर विश्वमांगल्य सभा के संस्थापक एवं गुरुजी दत्ता पीठ परंपरा के 18वें पीठाधीश्वर परम पूज्य आचार्य स्वामी जितेन्द्रनाथ जी महाराज उपस्थित रहे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी, के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, सांसद कंगना रनौत, बांसुरी स्वराज, कमलजीत सहरावत, इंदिरा गांधी कला केंद्र के अध्यक्ष रामबहादुर राय सहित कई लोग मौजूद रहे।

उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की रिक्तियों को भरें: मुख्यमंत्री

रांची (एजेंसी) : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बैठक में विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के कार्य प्रगति, राजस्व संग्रहण सहित राज्य में अवैध शराब निर्माण, भंडारण एवं तस्करी पर रोक लगाए जाने को लेकर की जा रही कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में अवैध मदिरा निर्माण, परिवहन, बिक्री एवं तस्करी पर पूरी कठोरता के साथ अंकुश लगाई जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि अवैध रूप से हो रहे मदिरा निर्माण न केवल सरकारी राजस्व को प्रभावित करती है, बल्कि मदिरा सेवन करने वाले लोगों के जीवन और स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करती है। अतएव यह जरूरी है कि अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के विरुद्ध त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई हर हाल में सुनिश्चित की जाए। बैठक में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री श्री योगेंद्र प्रसाद मौजूद रहे। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के राजस्व संग्रहण की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-

26 में विभाग ने निर्धारित 3,885.11 करोड़ रुपये के लक्ष्य को पार करते हुए 4,013.53 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4,500 करोड़ रुपये राजस्व संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि जुलाई 2026 के मध्य तक विभाग ने 1,376 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह कर लिया है, जो वार्षिक लक्ष्य का 30.57 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री ने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के कार्यों में आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग किए जाने का निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उत्पाद इकाइयों के निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण में नई तकनीक का उपयोग बहुत ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में उत्पाद विभाग के गोदाम निर्माण कार्यों में स्थानीय आदिवासी समुदाय को प्राथमिकता और सहयोग दी जाए। इससे स्थानीय रोजगार सृजन के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय गतिविधियों का दायरा बढ़ाते हुए उन्हें जनहित और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग में रिक्त पदों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभाग के लिए चिन्हित सभी रिक्तियों पर नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यक औपचारिकताओं को शीघ्र पूरा करते हुए झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (खरऊ) के माध्यम से विभिन्न पदों पर नियमित बहाली सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि विभागीय योजनाओं एवं दायित्वों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त एवं दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि रिक्त पदों के कारण किसी भी स्तर पर कार्य प्रभावित नहीं होने चाहिए। इसलिए नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा करते हुए योग्य अभ्यर्थियों की बहाली सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग में पर्याप्त मानवबल उपलब्ध होने से प्रशासनिक कार्यों में गति आएगी, निगरानी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध से संबंधित योजनाओं और नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा का विशेष रूप से पालन किया जाए, ताकि विभाग की कार्यक्षमता और जनसेवा दोनों को मजबूती मिल सके। बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने जानकारी दी कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से चयनित 583 उत्पाद सिपाहियों को नियुक्ति पत्र देने हेतु आवश्यक प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मदिरा परिवहन वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग और डिजिटल (डीजी) लॉक की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वाहनों की रियल-टाइम निगरानी की जा सके तथा उनके मार्ग, ठहराव और गंतव्य की सटीक जानकारी प्राप्त हो सके।

सहकारिता तंत्र को सशक्त करने को होंगे अनेक कार्य

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य सहकारी विकास समिति की चौथी बैठक सम्पन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची। मुख्य सचिव, झारखण्ड सरकार-सह-अध्यक्ष, राज्य सहकारी विकास समिति की अध्यक्षता में शुक्रवार को समिति की चौथी बैठक हुई। बैठक में झारखंड में सहकारिता क्षेत्र के विस्तार, आधुनिकीकरण, विविधीकरण एवं संस्थागत सुदृढ़ीकरण से संबंधित कुल 15 महत्वपूर्ण एजेंडों पर विचार-विमर्श किया गया।

उसमें केन्द्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत पैक्स के कम्प्यूटरीकरण, विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भंडारण योजना के पायलट प्रोजेक्ट हेतु जिला एवं का चयन, प्रत्येक जिला एवं अंचल में प्रतिमाह कम-से-कम दो पंचायत अथवा ग्राम स्तरीय दुग्ध एवं मत्स्य उत्पादक सहयोग समितियों के गठन तथा सहकारी बैंकों द्वारा सहकार से समृद्धि की विभिन्न पहलों के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई।

इसके अलावा को जन-सुविधा केन्द्र एवं प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र के रूप में विकसित करने, दुग्ध उत्पादक एवं मत्स्यपालन सहयोग समितियों की त्रिस्तरीय संरचना स्थापित करने तथा कम्प्यूटरीकृत 240 प्रारम्भ करने पर विचार किया गया। वहीं निबंधक, सहयोग समितियाँ के कार्यालयों के कम्प्यूटरीकरण तथा प्रस्तावित झारखण्ड राज्य सहकारिता नीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सभी प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति से समिति को अवगत कराया गया। प्रत्येक एजेंडे पर विस्तृत समीक्षा के उपरान्त आवश्यक निर्णय लिए गए तथा संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को निर्धारित कार्यों का समयबद्ध एवं प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, सचिव, वित्त विभाग, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, धनबाद केन्द्रीय सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित निगमों सहित नाबार्ड व अन्य संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

एबीडी ने पहली तिमाही में बढ़ाया कारोबार, प्रीमियम पोर्टफोलियो पर रहा जोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः अलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडी) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में स्थिर वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी की परिचालन आय 975 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 5.3 प्रतिशत अधिक है। एबिटा 14.4 प्रतिशत बढ़कर 140 करोड़ रुपये और कर-पश्चात लाभ 11.9 प्रतिशत बढ़कर 68 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बताया कि पहली तिमाही में कुल बिक्री 9 मिलियन केस रही, जिसमें प्रीमियम एवं उससे ऊपर की श्रेणी की बिक्री में 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। प्रीमियम पोर्टफोलियो की वॉल्यूम हिस्सेदारी बढ़कर 48.2 प्रतिशत और वैल्यू हिस्सेदारी 59.3 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो कंपनी की प्रीमियमकरण रणनीति को मजबूती देती है। कंपनी का कहना है कि बेहतर उत्पाद मिश्रण, परिचालन दक्षता और प्रीमियम ब्रांडों पर लगातार बढ़ते फोकस का सकारात्मक असर वित्तीय प्रदर्शन में दिखाई दिया है। पहली तिमाही के दौरान कंपनी ने अपने अंतरराष्ट्रीय कारोबार का भी विस्तार जारी रखा और अब उसकी मौजूदगी 39 देशों तक पहुंच गई है। एबीडी के प्रबंध निदेशक अमर सिन्हा ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों के बावजूद कंपनी का मूल कारोबार मजबूत बना हुआ है। उन्होंने कहा कि कंपनी प्रीमियम पोर्टफोलियो, ब्रांड निर्माण, बैकवर्ड इंटीग्रेशन परियोजनाओं और परिचालन दक्षता पर लगातार निवेश कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से बेहतर सोर्सिंग, लागत दक्षता और उच्च श्रेणी के उत्पादों के विस्तार को गति मिलेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि क्षमता विस्तार, नए बाजारों में उपस्थिति मजबूत करने और दीर्घकालिक विकास रणनीति के तहत प्रीमियम पोर्टफोलियो को और सशक्त बनाने की दिशा में काम लगातार जारी है।

राहुल गांधी के विरोध में भाजपा ने रांची में अल्बर्ट एक्का चौक पर किया प्रदर्शन

रांची(एजेंसी) : कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के विरोध में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी छात्रों के मुद्दे की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में कई पेपर लीक की घटनाएं हुईं, लेकिन किसी जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। वहीं, वर्तमान केंद्र सरकार ने पेपर लीक के मामलों में त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने कहा कि छात्रों के हितों की बात होनी चाहिए, लेकिन कुछ लोग उनके मुद्दों को भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर संसद की गरिमा और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया।भाजपा नेताओं ने झारखंड सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की विभिन्न परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच कराई जानी चाहिए। उनका कहना था कि यदि सरकार दोषियों को बचाना नहीं चाहती, तो सीबीआई जांच से परहेज नहीं करना चाहिए।भाजपा ने कहा कि छात्रों को न्याय मिलने तक पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग जारी रखेगी।

तेनुघाट डैम के 4 गेट खोले गए, दामोदर में छोड़ा जा रहा 9,970 क्यूसेक पानी

बोकारो(एजेंसी) : लगातार हो रही बारिश और डैम में बढ़ते जलस्तर के कारण बोकारो जिले के बेरमो अनुमंडल स्थित तेनुघाट डैम के तीन रेडियल गेट और एक अंडर स्लूइस गेट शुक्रवार को खोल दिए गए हैं। इन गेटों से दामोदर नदी में लगभग 9,970 क्यूसेक यानी 282.32 घन मीटर प्रति सेकेंड पानी छोड़ा जा रहा है।बांध प्रमंडल तेनुघाट के अनुसार, डैम में पानी रखने की अधिकतम क्षमता 852 फीट है, जिसे खतरे का निशान माना जाता है। वर्तमान में डैम का जलस्तर 850.05 फीट दर्ज किया गया है और यह लगातार बढ़ रहा है।जल संचयन की स्थिति

तेनुघाट डैम की कुल जीवित जल संचयन क्षमता 42,013 हेक्टेयर मीटर है। फिलहाल इसमें 25,807 हेक्टेयर मीटर पानी का संचय है। वहीं डैम की कुल ग्रॉस स्टोरेज क्षमता 44,526 हेक्टेयर मीटर है।प्रशासन की अपील बांध प्रमंडल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दामोदर नदी के किनारे रहने वाले लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। लोगों को नदी के पास नहीं जाने, बच्चों और मवेशियों को नदी से दूर रखने और आसपास के लोगों को भी सतर्क करने की सलाह दी गई है। साथ ही प्रशासन के निदेशों का पालन करने को कहा गया है।

नीट पेपर लीक व जंतर मंतर में छात्रों के साथ बर्बरता के खिलाफ उबाल,गांडेय युवा मंच ने निकाला मार्च,केंद्र सरकार का पुतला दहन

गिरिडीह(एजेंसी) : नीट पेपर लीक व जंतर मंतर में छात्रों के साथ बर्बरता के खिलाफ शुक्रवार को गांडेय युवा मंच के बैनर तले विरोध मार्च व प्रदर्शन किया गया।पाठक मार्केट गांडेय से निकल कर विरोध मार्च मोहदा मोड़ पहुंचा।प्रदर्शकारी युवा हाथों में इंकलाब जिंदाबाद,धर्मेंद्र प्रधान मुदार्बाद सरीखे स्लोगन लिखे तख्तियों के साथ नारेबाजी करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।इसके उपरांत केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया।विरोध प्रदर्शन की अगुवाई रितेश पाठक ने की।कार्यक्रम में दर्जनाधिक युवा शामिल थे।

हीरोडीह के चुंगलखार में वृद्ध महिला की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

गिरिडीह(एजेंसी) : जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत चुंगलखार गांव के दुर्गेशरण टोला में शुक्रवार को 70 वर्षीय परनी देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका गांवा निवासी झारखंडी मोदी की पत्नी थीं। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही हीरोडीह थाना प्रभारी महेश चंद्र पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी महेश चंद्र ने बताया कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कहा जा सकता कि महिला की मौत स्वाभाविक है

गोलमुरी सब्जी मार्केट में रंगदारी मांगने और फायरिंग का मामला, तीन आरोपी गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम (एजेंसी) : जमशेदपुर के गोलमुरी थाना क्षेत्र स्थित टिनप्लेट सब्जी मार्केट में एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने और रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने दो देशी कट्टा, चार जिंदा गोली, एक खोखा और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की है।दरअसल, 18 जुलाई 2026 की शाम करीब छह बजे टिनप्लेट सब्जी मार्केट में एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने और रंगदारी नहीं देने पर फायरिंग की घटना सामने आई थी। इस मामले में गोलमुरी थाना में कांड संख्या 82/2026 दर्ज किया गया था। घटना के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।पुलिस टीम ने मानवीय और तकनीकी सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में कथित रूप से संलिप्त करण सिंह उर्फ जसकरण सिंह और मनदीप सिंह को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उनके गिरोह का एक अन्य सदस्य रोमी सिंह उर्फ सरदार के पास एक और देशी कट्टा और गोली मौजूद है। इसके बाद पुलिस ने रोमी सिंह उर्फ सरदार को भी गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने एक और देशी कट्टा और तीन जिंदा गोलियां बरामद की। इस बरामदगी के संबंध में गोलमुरी थाना में एक अन्य मामला भी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में करण सिंह उर्फ जसकरण सिंह, मनदीप सिंह और 23 वर्षीय रोमी सिंह उर्फ सरदार शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल दो देशी कट्टा, चार जिंदा गोली, एक खोखा और एक स्प्लेण्डर मोटरसाइकिल बरामद की है।जमशेदपुर नगर अधीक्षक ललित मीणा ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों को 24 जुलाई 2026 को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

बीजेपी कार्यकर्ता ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया

साहिबगंज(एजेंसी) : साहिबगंज के स्टेशन चौक पर शुक्रवार को बीजेपी के कार्यकताओं ने जेपीएससी और अन्य कांग्रेस इंडी गठबंधन वाली सरकारों वाले राज्यों में हुए पेपर लीक मामले में राहुल गांधी का पुतला दहन किया। राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा ने राहुल गांधी पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से तुष्टिकरण की राजनीति करती है।अगर वाकई छात्र हित में कार्य करना चाहते है तो संसद में चर्चा से क्यों भाग रहे है।देश में अराजकता फैलाना और अराजक तत्वों को संरक्षण देने का काम कांग्रेस करती है।बीजेपी ने झारखंड में जेपीएससी के परीक्षा में धांधली और भ्रष्टाचार को लेकर आज बीजेपी के जिला इकाई ने झारखंड के कांग्रेस और जेएमएम सरकार पर कई आरोप लगाये। वही बीजेपी के कार्यकर्ता ने राहुल गांधी का साहिबगंज स्टेशन चौक पर पुतला दहन किया। वही बीजेपी के पूर्व विधायक राजमहल अनंत ओझा और वरीय बीजेपी नेता गणेश तिवारी ने भी झारखंड में कांग्रेस और जेएमएम की गठबंधन सरकार पर निशाना साधा।पुतला दहन के इस कार्यक्रम में दर्जनों बीजेपी कार्यकर्ता और नेता उपस्थित थे।

जनजातीय व क्षेत्रीय भाषा बचाओ मोर्चा ने अलग-अलग भाषाओं की बनायी कमेटी

रांची(एजेंसी) : जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा बचाओ मोर्चा ने अलग-अलग भाषाओं के लिए कमेटी गठित की है।भाषाओं के संरक्षण के लिए संयोजक, सह-संयोजक और प्रवक्ता बनाये गये हैं। अलग-अलग भाषा को शिक्षाविद व जानकारों को इसमें शामिल किया गया है।कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की के आवास पर नयी टीम का स्वागत किया गया। नवगठित समिति के मुख्य संयोजक के साथ ही सभी नौ भाषा के संयोजकों, सह संयोजकों एवं प्रवक्ता का अभिनंदन किया गया।मुख्य संयोजक विक्की मिंज का अभिनंदन किया गया। श्री तिर्की ने कहा कि सभी भाषाओं के लिए काम करने वाले पदाधिकारी आपस में समन्वय बना कर चलें। झारखंडी भाषा-संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए जुटे।

लोक संवाद में चंद मिनटों में हुआ समाधान,जीरा देवी के चेहरे पर लौटी मुस्कान

बोकारो :समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं (लोक संवाद) कार्यक्रम एक बार फिर आमजन की उम्मीदों का मंच बना। उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। कार्यक्रम के दौरान खाद्य आपूर्ति, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, भूमि, पेंशन, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य विभागों से संबंधित कुल 33 आवेदनों पर सुनवाई की गई। सभी मामलों में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।सुनवाई के दौरान चास प्रखंड के तेलडीह निवासी जीरा देवी ने उपायुक्त को बताया कि उनके पति के निधन के बाद परिवार आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। उनके राशन कार्ड में केवल दिवंगत पति का नाम दर्ज है, जिसके कारण उन्हें राशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने राशन कार्ड में अपना नाम जोड़ने की अपील की। महिला की समस्या सुनते ही उपायुक्त ने तत्काल जिला आपूर्ति पदाधिकारी को राशन कार्ड में नाम जोड़ने की प्रक्रिया करने का निर्देश दिया। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिया कि जब तक राशन कार्ड में नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो जाती, तब तक परिवार को आकस्मिक खाद्यान्न योजना के तहत खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए,

रामगढ़ में राष्ट्रीय कवि संगम का हुआ आयोजन

रामगढ़(एजेंसी) : रामगढ़ में राष्ट्रीय कवि संगम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली सहित कई राज्य के विभिन्न जिलों के कवि शामिल हुए।संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राष्ट्रीय कवि जगदीश मित्तल ने कहा कविता की शक्ति एक विशेष प्रकार की होती है जो विधानसभा राज्यसभा लोकसभा और जनसभाओं में भी गूंजती है।राष्ट्र जागरण एवं सांस्कृतिक चेतना को समर्पित साहित्यिक संगठन राष्ट्रीय कवि संगम का झारखंड प्रांत की प्रांतीय कार्यकारिणी अधिवेशन रामगढ के निजी सभागार में आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण अधिवेशन के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल व विशिष्ट अतिथि झारखंड प्रांत के अध्यक्ष विजय मेवाड़ के साथ प्रदेश के महासचिव सरोजकांत झा मुख्य रूप से उपस्थित हुए। इस मैके पर प्रदेश के कई जिलों के कवि ने काव्य पाठ कर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में संगठन की भावी योजनाओं, साहित्य के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, भारतीय संस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण तथा युवाओं में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय कवि संगम में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि आज के समय में साहित्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाली शक्तिशाली ऊर्जा है। कवियों की वाणी जनमानस में संस्कार, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का संचार करती है। अधिवेशन का उद्देश्य झारखंड की साहित्यिक प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना तथा साहित्य को जन-जागरण का प्रभावी माध्यम बनाना है। इस क्रम में आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह अधिवेशन झारखंड की साहित्यिक चेतना को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मौके पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल ने बताया कि राष्ट्रीय कवि संगम कविताओं के माध्यम से देश की युवाओं और महिलाओं में जागरण करना चाहता है और निश्चित ही कविता की शक्ति एक विशेष प्रकार की होती है जो विधानसभा राज्यसभा लोकसभा और जनसभाओं में भी गूंजती है, किसी भी नेता का भाषण तभी सशक्त होता है जब उसमें चार पंक्तियां आती हैं।मौके पर राष्ट्रीय कवि संगम के आयोजनकर्ता सह झारखंड के प्रांतीय अध्यक्ष विजय मेवाड ने बताया कि कविताएं और साहित्य समाज के स्वरूप को निखारने के लिए होती हैं।मौके पर उपस्थित प्रदेश के महासचिव सरोजकांत झा ने बताया कि कवि होने के नाते मेरा यह दायित्व बनता है कि समाज की चेतना और समस्या को आगे बढ़ाया जाए, राष्ट्रीय कवि संगम का स्लोगन ही है राष्ट्र जागरण धर्म हमारा, इसी उद्देश्य के साथ झारखंड के सभी जिलों के कवि यहां रामगढ़ में आए हैं।

सतबरवा में चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान, मुख्य मार्ग से हटाया गया अतिक्रमण

पलामू(एजेंसी) : पलामू जिले के सतबरवा अंचल के अंचलाधिकारी विजय कुमार के नेतृत्व में प्रशासन ने एनएच 39 रांची-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग पर सतबरवा पुराना थाना से लेकर अंसार मोहल्ला तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया।इस अभियान के दौरान सड़क के किनारे किये गये अवैध कब्जों को पूरी तरह साफ किया गया।सीओ विजय कुमार ने बताया कि रांची-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग एक बेहद व्यस्त सड़क है।इस मार्ग पर 24 घंटे वाहनों का आवागमन लगा रहता है।स्थिति यह है कि कई गंभीर मरीज इलाज के लिए एंबुलेंस के माध्यम से रांची जाते हैं।मगर सड़क के किनारे अतिक्रमण होने के कारण एंबुलेंस को भी भारी जाम से जूझना पड़ता है।इससे मरीजों की जान का जोखिम बढ़ जाता है।सीओ ने बताया कि अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू करने से पहले अंचल अमीन और राजस्व कर्मचारी के माध्यम से सड़क के किनारे की जमीन की मार्किंग कराई गयी थी।इसके बाद दो बार लाउडस्पीकर से घोषणा करवाकर लोगों को अतिक्रमण की गयी जमीन खाली करने का आदेश दिया गया था।इसके बावजूद एक भी व्यक्ति ने खुद से अतिक्रमण नहीं हटाया।इसी वजह से आज प्रशासन को बलपूर्वक अभियान चलाना पड़ा। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि सरकारी या सड़क के किनारे की जमीन पर अतिक्रमण करना कानूनी अपराध है। मालूम हो कि सतबरवा के ही एक जागरूक नागरिक ने पलामू डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत को लिखित आवेदन दिया था। इसमें सतबरवा सड़क के किनारे की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की गई थी ताकि राहगीरों और वाहनों को आवागमन में परेशानी न हो।इसी आवेदन पर संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की गयी.नमौके पर सतबरवा थाना प्रभारी प्रदीप कुमार, एस आई सुधीर कुमार, सीआई राजेश यादव, अंचल अमीन हरिनंदन प्रजापति, राजस्व कर्मचारी प्रवीण उरांव और असीन कुमार शर्मा मौजूद थे. इनके साथ ही कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल के जवान तैनात रहे।

भवन निर्माण विभाग में मंत्री प्रतिनिधि बने आदिल रशीद, जताया आभार

गिरिडीहः झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने आदिल रशीद को भवन निर्माण विभाग का मंत्री प्रतिनिधि नियुक्त किया है।नियुक्ति के बाद आदिल रशीद ने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें सौंपे गए इस महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। आदिल रशीद ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय सिंह सहित पूरे झामुमो परिवार का भी धन्यवाद देते हुए कहा कि संगठन के विश्वास और सहयोग से उन्हें जनता की सेवा का अवसर मिला है।उन्होंने कहा कि भवन निर्माण विभाग से जुड़े आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए वे हमेशा उपलब्ध रहेंगे तथा जनता और विभाग के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपनी जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।आदिल रशीद ने विश्वास जताया कि मंत्री द्वारा सौंपे गए इस महत्वपूर्ण दायित्व पर वे पूरी तरह खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगे और विभागीय कार्यों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

जंगली सुकर का शिकार करने में करंट लगने से एक की मौत, दो साथी गिरफ्तार,6 फरार

पलामू(एजेंसी) : जिले के उंटारी रोड थाना क्षेत्र के सतबहिनी के शेखडीहा गांव के सचिन कुमार साह पिता सुनील साह की मौत जंगली सुकर का शिकार करने के क्रम में करंट लगने से हुई थी। सचिन की मौत होने पर उसके 8 साथियों ने साक्ष्य छुपाने की नियत से उसके शव को बालू में गाड़ दिया था। खोजबीन के क्रम में गांव के समीप कोयल नदी में दफन सचिन कुमार साह का शव बरामद किया गया था। दरअसल, 14 जुलाई 2026 की रात सचिन एवं उसके साथी हाइटेंशन तार में लोहे का नंगा तार जोड़कर सुअर का शिकार कर रहे थे, लेकिन सचिन खुद शिकार हो गया था। 15 जुलाई की शाम उसका शव मिला था।इस संबंध में सचिन की मां ललीता देवी के आवेदन पर 16 जुलाई 2026 को शेखडीहा के दो सगे भाई बबलू रजवार और रौशन रजवार पिता रामजी रजवार और सीपी रजवार एवं अन्य अज्ञात के खिलाफ सचिन की हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए शव को बालू में गाड़ देने की एफआइआर दर्ज करायी गयी थी।

विश्रामपुर के एसडीओ ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में घटना के 9 दिन बाद प्राथमिकी अभियुक्त कमल रजवार उर्फ बबलू और अप्राथमिकी अभियुक्त रामजी रजवार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के क्रम में सामने आया कि 14 जुलाई की रात 10 बजे कमल रजवार उर्फ बबलू, सुनील रजवार, गरई रजवार, अजय रजवार, रघु रजवार, शिवकुमार रजवार, राजेश रजवार एवं सचिन कुमार साह शेखडीहा गांव में ही जंगली सुअर का शिकार करने के लिए 11 हजार के बिजली तार में अवैध रूप से नंगा तार जोड़कर कोयल नदी में बिछाया था।अचानक सचिन कुमार साह को नंगा तार से करंट लग गया और वहीं पर उसकी मौत हो गयी। उसके साथी घटना से डर गए और साक्ष्य छुपाने की नियत से शव को बालू में गाड़ दिया और तार को बालू में ही छुपा दिया। जांच के क्रम में लोहे का 50 फीट तार बरामद किया गया। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।कार्रवाई टीम में विश्रामपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पांडू अंचल कैंप रेहला के पुलिस निरीक्षक, उंटारी रोड के थाना प्रभारी संतोष गिरी, पुअनि राजवर्धन एवं जवान शामिल थे।

29 जुलाई से अगले वर्ष 20 फरवरी तक भाजपा चलायेगी संत रविदास समरसता संकल्प अभियान

20 फरवरी 2027 को संत शिरोमणि रविदास जी की 650 वीं जयंती, जन्म स्थली काशी से लायेंगे पवित्र मिट्टी

रांची(एजेंसी) : संत शिरोमणि संत रविदास की अगले वर्ष फरवरी में 650वीं जयंती मनायी जायेगी। इस पावन जयंती के मद्देनजर भाजपा ने सात महीना संत रविदास समरसता संकल्प अभियान चलाने का फैसला किया है। 29 जुलाई से अगले वर्ष 20 फरवरी तक यह अभियान चलेगा।पार्टी नेता संत रविदास की जन्म स्थली काशी जायेंगे और पवित्र मिट्टी लायेंगे।पूरे राज्य में कलश यात्रा निकाला जायेगा। शुक्रवार को अभियान के मद्देनजर कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि संत रविदास भारत के संत परंपरा के श्रेष्ठ संतों में एक थे।उन्होंने विकट परिस्थिति में भारत की महान संस्कृति की रक्षा करने का काम किया। उन्होंने समरसता की बात की।देश उनके बहुमूल्य योगदान को कभी नहीं भूलेगा।छह महीनों से अधिक समय तक चलने वाले इस कार्यक्रम के माध्यम से भाजपा संत रविदास के समता, सेवा, भक्ति, सामाजिक न्याय एवं मानवता के संदेश को जन-जन के बीच पहुंचाने का काम करेगी। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि संत रविदास ने जात-पात के भेदभाव को मिटाने के लिए, समाज में समरसता स्थापित करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि कोई भी मनुष्य अपने कर्म से ही महान बनता है। संत रविदास द्वारा छुआछूत और जातिवाद मिटाने के लिए किए गए उनके अमूल्य योगदानों के लिए उन्हें सदैव याद रखा जाएगा। प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि संत शिरोमणि ने अपने जीवन काल में मानव समाज के बीच समरसता स्थापित करने, जात पात को खत्म करने जैसे कई कार्य किये थे।उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत राज्य के सभी मंडलों के सभी मंदिरों में दीपोत्सव कार्यक्रम भी किया जायेगा। कार्यशाला में राकेश प्रसाद, नीलकंठ सिंह मुंडा, बालमुकुंद सहाय, सुनील सोरेन,गणेश मिश्रा, मनोज सिंह, किशुन दास, दिलीप वर्मा, सरोज सिंह, सुनिता सिंह सहित पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे।

ट्रूथ पथ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

आरक्षी महानिरीक्षक बोकारो ने एसडीपीओ कार्यालय सिंदरी का निरीक्षण किया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः आरक्षी महानिरीक्षक बोकारो शैलेंद्र कुमार सिंहा ने शुक्रवार को एसडीपीओ कार्यालय सिंदरी का निरीक्षण किया।निरीक्षण के निमित्त सिंदरी पहुंचे आईजी बोकारो को एसडीपीओ कार्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।निरीक्षण के बाद उन्होने बताया कि यह एक रुटिन कार्यक्रम है। इस दौरान उन्होने थाना प्रभारियों को कानून व्यवस्था,लंबित मामलों के निष्पादन,पूजा की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिये। प्रिंस खान के संबंध में पूछे जाने पर उन्होने बताया कि सभी बातों को मिडिया से शेयर नही किया जा सकता है।परंतु पुलिस प्रिंस खान पर नकेल डालने के लिए आवश्यक कारवाई कर रही है ।इस दौरान एसएसपी धनबाद प्रभात कुमार सिंह,सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव,डीएसपी सिंदरी प्रकाश चंद्र महतो,थाना प्रभारी सह निरीक्षक सिंदरी राजेश कुमार,झरिया थाना प्रभारी सह निरीक्षक शशि रंजन कुमार, जोडापोखर थाना प्रभारी सह निरीक्षक उदय कुमार गुप्ता,बलियापुर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार,गौशाला थाना प्रभारी शंभूनाथ सिंह सहित सिंदरी अनुमंडल के सभी पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

बीएसके महाविद्यालय में एलुमिनाय संघ की बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बीएसके महाविद्यालय मैथन में प्राचार्या अंजली कुमारी की अध्यक्षता में एलुमिनाय संघ की बैठक की गई। कृष्णलाल रूगंटा ने स्वागत अभिभाषण के साथ बैठक की शुरूआत किया। डॉ आरपी सिह द्वारा एलुमिनाय संघ का नाम पर एएबी (आब) सभी की सहमति ली एवं कऐटी का वाई लॉज प्रस्तुत किया। कुछ सुधारों के साथ बाई लॉज पारित किया गया. संघ हेतु बैंक में खाता खोलने हेतु सहमति बनी। एलुमिनाय में सदस्यों की संख्या बढ़ाने हेतु सदस्यता अभियान चलाने पर निर्णय लिया गया।गंगुली द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।कार्यक्रम में विनोद अग्रवाल अध्यक्ष, कृष्ण लाल रूगंटा सचिव, आरपी सिंह, महाविद्यालय के सुमिता खलखो, संजीव कुमार, अमित, रवि, कृष्णा प्रसाद, दिलीप, जितेन्द्र कुमार सिंह उपस्थित थे।

धनबाद सदर अस्पताल में 400 बेड अस्पताल की तैयारी, जमीन घेराबंदी शुरू होते ही विरोध

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद सदर अस्पताल में प्रस्तावित 400 बेड के अत्याधुनिक अस्पताल के निर्माण की दिशा में बड़ी पहल शुरू हो गई है। शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल परिसर की जमीन का सीमांकन कर बाउंड्री वॉल निर्माण का काम शुरू कराया है। लेकिन काम शुरू होते ही कुछ स्थानीय लोगों ने जमीन पर अपना दावा जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में निर्माण कार्य जारी रहा।धनबाद सदर अस्पताल परिसर में 400 बेड के नए अस्पताल के निर्माण के लिए जमीन की घेराबंदी का काम शुरू कर दिया गया है। निर्माण कार्य शुरू होते ही कुछ लोगों ने इसका विरोध करते हुए दावा किया कि जिस जमीन पर बाउंड्री वॉल बनाई जा रही है, वह उनकी निजी जमीन है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बिना उचित जांच और प्रक्रिया के प्रशासन जबरन घेराबंदी कर रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य रोकने और पहले जमीन के स्वामित्व की जांच कराने की मांग की।वहीं, मौके पर मौजूद धनबाद के अंचल अधिकारी रामप्रवेश कुमार ने स्पष्ट किया कि संबंधित खाता संख्या-135 सरकारी भूमि है और राजस्व अभिलेखों के आधार पर ही सीमांकन एवं बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पास इस जमीन से संबंधित वैध दस्तावेज हैं तो वे जिला प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करें। प्रशासन नियमानुसार उनकी आपत्ति पर विचार करेगा। सीओ ने बताया कि मजिस्ट्रेट, पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सुरक्षा व्यवस्था के बीच निर्माण कार्य कराया जा रहा है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। फिलहाल प्रशासन की निगरानी में घेराबंदी का कार्य जारी है।

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के अभिभावकों ने उठाई इलाज की मांग, सुविधाएं नहीं मिलने पर आंदोलन की चेतावनी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के अभिभावकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में इलाज के दौरान आने वाली समस्याओं पर चर्चा करते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई गई। अभिभावकों ने अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं की कमी, थैलेसीमिया मरीजों के लिए डे-केयर सेंटर की स्थापना, आवश्यक दवाइयों की नियमित उपलब्धता, निजी ब्लड बैंकों से समय पर रक्त मिलने की व्यवस्था तथा उपचार के लिए विशेष सेल के गठन की मांग की। बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही इन मांगों को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। अभिभावकों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो सामाजिक संगठनों और थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के साथ रणधीर वर्मा चौक पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।श-क्रवार को गोल्फ ग्राउंड में आयोजित इस बैठक में बड़ी संख्या में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के अभिभावक और समाजसेवी शामिल हुए। सभी ने कहा कि नियमित रक्त चढ़ाने और इलाज के बावजूद मरीजों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों में समुचित व्यवस्था नहीं होने से बच्चों और उनके परिजनों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं।बैठक में अभिभावकों ने कहा कि उनका आंदोलन किसी व्यक्तिगत हित के लिए नहीं, बल्कि थैलेसीमिया से जूझ रहे बच्चों के बेहतर इलाज और उनके जीवन के अधिकार के लिए है। उन्होंने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से संवेदनशीलता दिखाते हुए जल्द से जल्द आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही कहा कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

नीट पेपर लीक पर सियासत तेज, धनबाद में भाजपा ने राहुल गांधी का फूंका पुतला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः नीट पेपर लीक और छात्रों के आंदोलन को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। धनबाद में भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने कांग्रेस पर छात्रों को भड़काने और इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पुतला दहन किया। यह विरोध प्रदर्शन रणधीर वर्मा चौक पर आयोजित किया गया। हाल के दिनों में नीट पेपर लीक को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर भी भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की और उनका पुतला दहन किया। प्रदर्शन में झरिया विधायक रागिनी सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा सहित भाजपा के सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नीट पेपर लीक के मुद्दे पर छात्रों को भड़का रही है और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी को पहले कांग्रेस शासित राज्यों में हुए पेपर लीक मामलों पर जवाब देना चाहिए, लेकिन उन घटनाओं पर कांग्रेस चुप्पी साध लेती है।

ऑपरेशन 'सतर्क' के तहत धनबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से 84 कैन बीयर बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने ऑपरेशन 'सतर्क' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रेन के जनरल कोच से 84 कैन बीयर बरामद की है। बरामद बीयर दो लावारिस बैगों में रखी हुई थी, जिन पर ₹फॉर सेल इन वेस्ट बंगाल ओनली₹ अंकित था। मामले में किसी भी व्यक्ति ने बैग पर अपना दावा नहीं किया, जिस-

के बाद आरपीएफ ने जब्ती की कार्रवाई करते हुए पूरे मामले को उत्पाद विभाग के हवाले कर दिया है। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल की अपराध आसूचना शाखा और आरपीएफ पोस्ट धनबाद की संयुक्त टीम धनबाद रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन 'सतर्क' के तहत गश्त और निगरानी कर रही थी। इसी दौरान दी रात 01:50 बजे प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर ट्रेन संख्या 13051 के पहुंचने पर उसके जनरल कोच में दो संदिग्ध लावारिस बैग दिखाई दिए। आरपीएफ जवानों ने आसपास मौजूद यात्रियों से बैग के संबंध में पूछताछ की, लेकिन किसी ने भी बैग पर अपना मालिकाना हक नहीं जताया। इस-के बाद गवाहों की मौजूदगी में बैग खोले गए, जिनमें कुल 84 कैन हयवार्डस 5000 प्रीमियम स्ट्रांग बीयर बरामद हुई। सभी कैन 500-500 मिलीलीटर की थीं, जिनकी कुल मात्रा 42 लीटर और कुल कीमत 9 हजार 240 रुपये बताई गई है। जांच में पाया गया कि सभी कैन पर ₹फॉर सेल इन वेस्ट बंगाल ओनली₹ अंकित था। आरपीएफ ने मौके पर ही जब्ती सूची तैयार कर बीयर को अपने कब्जे में लिया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए धनबाद उत्पाद विभाग को सौंप दिया। फिलहाल बैग किसका था, इसका पता नहीं चल सका है और मामले की जांच जारी है।

विधायक शत्रुघ्न महतो ने किया घटना स्थल का निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बाघमारा सदरियाडीह गांव में सेप्टिक टैंक की शटरिंग हटाने के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत के मामले में पुलिसे यूडी (अस्वाभाविक मौत) केस दर्ज कर दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। जिसके बाद देर रात उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। दोनों मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के टैंक में उतरे थे। मृतक राजेश महतो की पत्नी रीता देवी की लिखित शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना से पूरे गांव में मातम का माहौल है। घटना के बाद सेप्टिक टैंक की तकनीकी जांच के लिए किसी अधिकारी के न पहुंचने पर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। इस पर संज्ञान लेते हुए धनबाद सांसद ढुलू महतो ने धनबाद उपायुक्त से 'गैस डिटेक्टर मशीन' के जरिए तत्काल वैज्ञानिक जांच कराने की मांग की है। वहीं, बाघमारा विधायक शत्रुघन महतो ने घटना स्थल का निरीक्षण कर पीड़ित दोनों परिवारों से मुलाकात की और ढांढस बंधाया। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तकनीकी जांच पर जोर दिया। उन्होंने एसडीओ एवं सीओ से बात कर अविलंब गैस डिटेक्टर मशीन' के जरिए तत्काल वैज्ञानिक जांच कराने की मांग की। ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सके। साथ ही उन्होंने आपदा प्रबंधन के तहत पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दिलाने का भरोसा दिलाया है। वही केशरगढ़ पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि लखिन्द्र महतो का कहना है कि घटना स्थल से ब्लॉक दो एबीओसीपी माइंस के फायर प्रोजेक्ट से महज छह सौ गज की दूरी पर पर है। कहीं ना कहीं भूमिगत आग का रिसाव गांव की ओर बढ़ रहा है। प्रबंधन को अविलंब जांच कर लोगों को सुरक्षा देने की मांग की है।

एसवीएम स्कूल में लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल ने किया पौधरोपण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल ने सामाजिक दायित्व के तहत शुक्रवार को स-रस्वती विद्या मंदिर खास जयरामडीह में शिक्षकों एवं बच्चों के साथ मिलकर 20 छायादार पौधे लगाए। कार्यक्रम में लायंस क्लब के सभी पदाधिकारी के साथ-साथ विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम से पूर्व बच्चों को पर्यावरण से संबंधित जानकारी देते हुए एक पेड़ मां के नाम लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।मौके पर अध्यक्ष दीपक प्रसाद, पूर्व रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ मदन मोहन, पूर्व जोन चेयरपर्सन संतोष कुमार, पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मण रवानी, डॉ. बीके मिश्रा, सावित्री पाल, प्रधानाध्यापक अनुराग गुप्ता, बबलू चौधरी, सुमन कुमार, पीसी महतो, जितेंद्र पंडित आदि मौजूद थे।

जयराम मांझी हत्या के खिलाफ आदिवासी समाज ने ईस्ट बसुरिया ओपी पर किया प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बाघमारा ईस्ट बसुरिया के सोरीटांड झाड़ी में गुरुवार की देर शाम तेतुलमारी कोलियरी के क्लर्क जयराम मांझी का निर्मम हत्या कर शव फेंक दिया। इसके विरोध में आदिवासी समाज ने शुक्रवार को ईस्ट बसुरिया ओपी के समक्ष प्रदर्शन कर हत्यारों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के जोनल उपाध्यक्ष रतिलाल टुडू व सोनत संथाल

समाज के केंद्रीय सचिव अनिल टुडू ने प्रशासन के कार्यशैली पर नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। हत्या के आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की गई। मृतक की पत्नी लुखी देवी ने घटना की लिखित शिकायत देकर हत्यारों को गिरफ्तार कर फांसी देने की मांग की है।शुक्रवार को ग्रामीण पुलिस अधीक्षक मो. एस याकूब ने घटनास्थल का जायजा लिया। ईस्ट बसुरिया ओपी के समक्ष प्रदर्शन में झामुमो के वरीय नेता रतिलाल टुडू,सोनत संथाल समाज के केंद्रीय सचिव अनिल टुडू,विधायक प्रतिनिधि विकास सोरेन,मृतक की पत्नी लुखी देवी,महिराम मांझी,निर्मल हेम्ब्रम,राम कुमार राम,नितिन कुमार क्रिश ,राजू कुमार मनोज प्रजापति साहिल ,संजीत पासवान,आशीष कुमार, मनीष आदि उपस्थित थे।

धनबाद में युवा कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद जिला युवा कांग्रेस द्वारा जिला अध्यक्ष आदित्य आनंद के नेतृत्व में रणधीर वर्मा चौक पर छात्रों पर हुए कथित बर्बर लाठीचार्ज तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ हुए अभद्र व्यवहार के विरोध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस, जिला कांग्रेस कमेटी तथा विभिन्न मंच-मोर्चों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने केंद्र सरकार की शिक्षा नीति, बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई तथा यु-वाओं और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर जोरदार नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की।

धनबाद जिला युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आदित्य आनंद ने कहा,

ह्नरेंद्र मोदी सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। देश का

युवा, किसान, महिलाएं और छात्र-छात्राएं बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई तथा शिक्षा व्यवस्था की बदहाली से परेशान हैं, लेकिन केंद्र सरकार जनता के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने में लगी हुई है। युवा कांग्रेस युवाओं के अधिकारों और बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए अपना संघर्ष लगातार जारी रखेगी।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अशोक सिंह ने कहा,

देश की शिक्षा व्यवस्था को लगातार कमजोर किया जा रहा है। छात्रों और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती है और जनता की आवाज को सड़क से सदन तक मजबूती से उठाती रहेगी। जनविरोधी नीतियों का हर स्तर पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रहेगा।

धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें।

धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष नवनीत नीरज ने कहा,

देश का युवा आज अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। रोजगार के अवसर लगातार घट रहे हैं और शिक्षा व्यवस्था अव्यवस्थित होती जा रही है। केंद्र सरकार युव-ाओं की समस्याओं के समाधान के बजाय केवल प्रचार-प्रसार में व्यस्त है। कांग्रेस पार्टी युवाओं, छात्रों और आम जनता के हितों की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ती रहेगी तथा जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मदन महतो,मनोज यादव योगेंद्र सिंह योगी,मीडिया चेयरमैन सह जिला प्रवक्ता पप्पू कुमार तिवारी,युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष तबरेज मृत्युंजय सिंह विशाल महतो,,हरेंद्र शाही, सोहल परवेज,गोपाल कृष्ण चौधरी,रोहित पाठक,चीकू खान,खुर्शीद अंसारी अंसारी,राजा हसन कायदे आजम विशाल विशु,गणेश महतो अरविंद सैनी रमेश राय इत्यादि सैकड़ों युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे!

विधायक राज सिन्हा ने एसआईआर का किया निरीक्षण

- जनसमस्याओं के समाधान के लिए एसडीओ से मिले विधायक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने शुक्रवार को वरीय बुनियादी मध्य विद्यालय, जगजीवन नगर में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एस-ाआईआर) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान सूची पुनरीक्षण में लगे अधिकारियों एवं कर्मियों से विस्तृत चर्चा कर कार्यों की प्रगति, उपलब्ध संसाधनों तथा व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान विधायक राज सिन्हा ने अधिकारियों एवं कर्मियों से कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है। इसलिए पुनरीक्षण का कार्य पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समयबद्धता के साथ किया जाए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से भी आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराने तथा इस अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की।

इसके उपरांत विधायक राज सिन्हा आमजन की भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से एक पीड़ित व्यक्ति के साथ स्वयं धनबाद अनुमंडलाधिकारी (एसडीओ) कार्यालय पहुंचे। उन्होंने अनुमंडलाधिकारी से मामले की जानकारी साझा करते हुए संबंधित प्रकरण का शीघ्र, निष्पक्ष एवं विधिसम्मत समाधान सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

राज सिन्हा ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान कराना जनप्रतिनिधि का प्रथम दायित्व है। चाहे वह मतदाता सूची से जुड़ा विषय हो या भूमि विवाद जैसी गंभीर समस्या, प्रत्येक नागरिक को न्याय दिलाने और उसकी परेशानी दूर करने के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध हैं।

टुंडी में धूमधाम से मनाया गया 77वां वन महोत्सव, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया पौधारोपण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद के टुंडी प्रखंड स्थित लोधारिया में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से शुक्रवार को 77वें वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो शामिल हुए। वहीं धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार और डीएफओ विकास पालीवाल भी मौजूद रहे। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।वन महोत्सव के दौरान अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। विधायक, डीसी, एसएसपी और डीएफओ ने स्वयं पौधारोपण किया। कार्यक्रम में शामिल स्कूली छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक पौधे लगाए और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि क्षेत्र में जंगली हाथियों की समस्या को देखते हुए सोलर फेंसिंग का कार्य कराया जा रहा है। साथ ही ग्रामीणों की आजीविका को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 32 एकड़ क्षेत्र में महुआ का पौधारोपण किया गया है, जो भविष्य में ग्रामीणों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत बनेगा।उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि वन विभाग द्वारा आयोजित वन महोत्सव का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि चारों ओर फैली हरियाली सुखद अनुभूति देती है और सभी को वृक्षारोपण अभियान से जुड़ना चाहिए।एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों का होना बेहद जरूरी है।

धनबाद के कलाकारों के सपनो को रंगशाला 2026 से मिली उड़ान : बिजय झा

रंगशाला 2026 का हुआ समापन, प्रतिभागियों को मिला प्रमाण पत्र

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कला और कलाकार ही ऐसे हैं जो अपनी सभ्यता और संस्कृति को देश दुनिया मे फैला सकते हैं। ऐसे में आज जो युवा और थिएटर आर्टिस्ट रंगशाला 2026 में प्रशिक्षण प्राप्त किये हैं, उन्होंने साबित कर दिया है कि वे अपने हौंसले को उड़ान देने के लिए तैयार हैं। यह बातें बियाडा के पूर्व चेयरमैन सह समाजसेवी बिजय झा ने कही। वे शुक्रवार को विवाह भवन लुबी सर्कुलर रोड में द ब्लैक पर्ल्स धनबाद, आल इंडिया कल्चरल कॉउंसिल और रंग संस्कार थिएटर ग्रुप की ओर से आयोजित सात दिवसीय थिएटर और कैमरा एक्टिंग वर्कशॉप रंगशाला 2026 के प्रमाण पत्र सह समापन समारोह को संबोधित करते हुए कही।

झा ने कहा कि धनबाद में मंचन के लिए जगह नहीं है। जिला प्रशासन और सरकार को चाहिए किस सस्ते में प्रैक्टिस के लिए जगह उपलब्ध

कराए। विशिष्ट अथिति जीटा अध्यक्ष अमितेश सहाय ने कहा कि बहुत कम लोग है कि जो कला के प्रति समर्पित हैं। ऐसी ही संस्थाओं में द ब्लैक पर्ल्स सबसे आगे है। उन्होंने अपनी शुभकामनाएं भी दिया। सिंह मेंशन परिवार की छोटी बहू मिनी सिद्धार्थ गौतम ने कहा कि कला का मोल वो जानती हैं। कला से उनका काफी लगाव है। उन्होंने बताया कि वे खुद फैशन डिजाइनर है और काफी बड़ी फिल्मों के लिए काम कर चुकी हैं। वर्तमान में वे अपने ससुर स्व. सूर्यदेव सिंह की जीवनी पर बन रही वेब सीरीज पर काम कर रही हैं।

धनबाद के कलाकारों में है दम, पहली बार आयोजित हुई ऐसी कार्यशाला

सात्विक आईवीएफ की डॉ. नेहा प्रियदर्शनी ने कहा कि रंगशाला 2026 में अभियान्य, मेकअप, मु-खौटा निर्माण, वौइस-मोदुलाशन समेत अनेक प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया। जो कलाकारों के साथ साथ अन्य वर्ग के लिए भी काफी लाभदायक है। उन्होंने भरोसा दिया कि कलाकारों को उनका हर सम्भव सहयोग मिलता रहेगा।

50 प्रतिभागियों को मिला प्रमाण पत्र : रंगशाला के समापन पर कुल 50 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया। इस दौरान दिव्यांग प्रतिभागी रेखा मिश्रा समेत अन्य ने नृत्य की प्रस्तुति दी। संस्था की ओर से दोनो मुख्य प्रशिक्षक डॉ देश राज मीना व मोनालिशा दास और डॉ नेहा प्रियदर्शनी को लंदन में चिकित्सकों के सम्मेलन का संचालन करने के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम संयोजिका शारदा गिरी, आयोजन समिति के राम प्रवेश, महताब, संजय, श्याम लाल समेत अन्य मौजूद थे।

25-07-2026 T.P. Page 4_Layout 1 25-07-2026 07:16 Page 1

संक्षिप्त खबरें

रांची रेलवे स्टेशन पर बढ़ेंगी यात्री सुविधाएं, साउथ गेट पर बनेगा 100 यात्रियों की क्षमता वाला प्री-पेड लॉज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः रांची रेलवे स्टेशन री-डेवलपमेंट को लेकर कार्य चल रहा है। स्टेशन के दक्षिण छोड़ की ओर से निर्माण कार्य जारी है।यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्टेशन के साउथ गेट की ओर प्री-पेड लॉज की सुविधा शुरू करने की तैयारी की जा रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस लॉज की क्षमता करीब सौ यात्रियों की होगी। इससे ट्रेन के इंतजार या कम समय के ठहराव के लिए आने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। रेलवे की ओर से स्टेशन परिसर में सेकेंड डॉरमेट्रिक के निर्माण का काम भी चल रहा है।डॉरमेट्रिक की सुविधा मिलने से यात्रियों को कम खर्च में ठहरने की सुविधा उपलब्ध होगी।खासकर रात में पहुंचने वाले यात्रियों और लंबी दूरी की यात्रा करने वालों को इसका लाभ मिलेगा।इसके अलावा रांची रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार को भी आधुनिक तकनीक से विकसित किया जा रहा है।मुख्य गेट को सेंसर आधारित बनाया जाएगा, जिससे यात्रियों के प्रवेश और निकास की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और आसान हो सकेगी। सेंसर आधारित व्यवस्था से भीड़ नियंत्रण में भी मदद मिलेगी और यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा।रेलवे अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन के पुनर्विकास के तहत यात्री सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। प्री-पेड लॉज, सेकेंड डॉरमेट्रिक और आधुनिक प्रवेश व्यवस्था के शुरू होने के बाद रांची स्टेशन आने वाले यात्रियों को अधिक आरामदायक और सुविधाजनक माहौल मिलेगा।

पासवा ने चलाया अभियान, 500 पौधे लगाये

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : तुपुदाना स्थित किसकी गांव में शुक्रवार को पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) ने पौधरोपण अभियान चलाया। 500 फलदार एवं छायादार पौधे लगाये गये। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव ने संयुक्त रूप से पौधरोपण कर किया। इस अवसर पर आम, अमरूद, जामुन, अनार, शरीफा और करंजा सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाये गये। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि पौधे लगाना जितना जरूरी है, उतना ही उनका संरक्षण भी आवश्यक है।डॉ रामेश्वर उरांव ने पर्यावरण संरक्षण को समय की जरूरत बताते हुए लोगों से पौधरोपण और देखभाल का संकल्प लेने की अपील की। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहा कि संगठन पूरे झारखंड में हरित अभियान चला रहा है। मौके पर लाल किशोर नाथ शाहदेव, मेहुल दुबे आदि उपस्थित थे।

यू-डायस पोर्टल पर 31 तक विद्यार्थियों का डाटा इंपोर्ट करने का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची ने जिले के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों को यू-डायस 2026-27 के तहत विद्यार्थियों का डाटा ड्रॉपबॉक्स से इंपोर्ट करने का निर्देश दिया है जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, रांची की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि कई विद्यालयों द्वारा अब तक विद्यार्थियों का नामांकन डाटा यू-डायस पोर्टल पर अपडेट नहीं किया गया है। पत्र के अनुसार, विद्यालयों को ड्रॉपबॉक्स में उपलब्ध विद्यार्थियों के रिकॉर्ड को निर्धारित प्रक्रिया के तहत यू-डायस पोर्टल में इंपोर्ट करना होगा।विद्यालयों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि वर्तमान सत्र 2026-27 में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों का नामांकन सही तरीके से दर्ज हो।निर्देश में कहा गया है कि यदि कोई छात्र किसी अन्य विद्यालय से स्थानांतरित होकर आया है, तो संबंधित विद्यालय को उसका रिकॉर्ड भी यू-डायस पोर्टल पर अपडेट करना होगा।साथ ही, किसी भी विद्यार्थी का डाटा दोबारा दर्ज नहीं किया जाए और डुप्लीकेट रिकॉर्ड से बचने के लिए सावधानी बरती जाय। जिला शिक्षा विभाग ने सभी प्राचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को 31 जुलाई तक यह कार्य पूरा करने का निर्देश दिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि डाटा इंपोर्ट में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या आने पर बीआरसी, एमआईएस या कंप्यूटर ऑपरेटर से सहायता ली जा सकती है।

भार्गव सिंह हत्याकांड मामला:हत्या मामले के मुख्य आरोपी विजय टेटे की जमानत याचिका खारिज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : जमीन विवाद में रियल इस्टेट कंपनी सिंह इंफ्राकोम प्राइवेट लिमिटेड (गोल्डेन सिटी) के सीइओ भार्गव सिंह हत्याकांड मामले के मुख्य आरोपी विजय टेटे को अदालत से बड़ा झटका लगा है। अपर न्यायायुक्त पवन कुमार की अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है। घटना 21 अप्रैल, 2026 की सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के मनोकामना मंदिर के पास की है।भार्गव सिंह जब पूजा करने मंदिर गए थे, तभी अपराधियों ने उन्हें गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था।इलाज के दौरान पारस अस्पताल में उनकी मौत हो गयी थी।मामले की जांच में खुलासा हुआ कि कांके गांधी नगर निवासी विजय टेटे ने रिंग रोड में जमीन देने के नाम पर भार्गव सिंह और उनके जीजा से 70 लाख रुपये लिये थे। जमीन नहीं देने पर मृतक लगातार पैसे या जमीन का दबाव बना रहे थे।इसी से आक्रोशित होकर विजय टेटे ने साजिश रचकर हत्या की घटना को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपी पत्नी के संग घूमने निकल गया था, ताकि किसी को शक न हो।हालांकि, पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर उसे बूटी मोड़ के पास धर दबोचा था।

हरिभंजा में जय जगन्नाथ के जयघोष के बीच निकली बाहुड़ा यात्रा, श्रीमंदिर लौटे महाप्रभु,श्रद्धालुओं ने खींचा नंदीघोष रथ

सरायकेला(एजेंसी) : हरिभंजा में शुक्रवार की देर शाम श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक उल्लास के बीच भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा यात्रा निकाली गयी।जय जगन्नाथ के जयघोष, शंखध्वनि और महिलाओं की पारंपरिक हुल-हुली से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। नौ दिनों तक मौसीबाड़ी गुंडिचा मंदिर में विराजमान रहने के बाद प्रभु जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा और सुदर्शन के साथ नंदीघोष रथ पर सवार होकर पुनः श्रीमंदिर लौटे। बाहुड़ा यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक नंदीघोष रथ की रस्सी थामकर उसे गुंडिचा मंदिर से श्रीमंदिर तक खींचा। रथ मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। पूरे मार्ग में भजन-कीर्तन, हरिनाम संकीर्तन और जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा. सभी धार्मिक परंपराओं एवं रस्मों का विधिवत पालन किया गया।श्रीमंदिर लौटने से पूर्व रथ पर ही चतुर्था मूर्ति की महाआरती उतारी गयी।इसके साथ अधरपणा की पारंपरिक रस्म संपन्न कर महाप्रभु को 56 प्रकार के व्यंजनों से सुसज्जित छप्पन भोग अर्पित किया गया। इसके बाद पुरोहितों एवं सेवायतों की अगुवाई में प्रभु जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन को रथ से उतारकर श्रीमंदिर के गर्भगृह में रत्न सिंहासन पर विराजमान कराया गया।मंदिर में महाआरती एवं भव्य श्रृंगार के साथ विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई।मुख्य पुरोहित पं. प्रदीप कुमार दाश, भरत त्रिपाठी सहित अन्य सेवायतों ने सभी धार्मिक अनुष्ठानों को परंपरानुसार संपन्न कराया।इस अवसर पर हरिभंजा के जमींदार विद्या विनोद सिंहदेव, संजय सिंहदेव, राजेश सिंहदेव, पृथ्वीराज सिंहदेव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।बाहुड़ा यात्रा का सबसे भावनात्मक क्षण तब आया, जब प्रभु जगन्नाथ ने मां लक्ष्मी को उपहार स्वरूप रसगुल्ला भेंट किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार नौ दिनों तक मौसीबाड़ी में रहने के कारण मां लक्ष्मी प्रभु से रुष्ट हो जाती हैं और श्रीमंदिर का द्वार बंद कर देती हैं. इसके बाद भगवान जगन्नाथ और मां लक्ष्मी के पक्ष के भक्तों के बीच प्रतीकात्मक नोक-झोंक होती है। अंततः प्रभु द्वारा रसगुल्ला भेंट करने पर मां लक्ष्मी प्रसन्न होकर मंदिर का द्वार खोलती हैं।इस दौरान सभी सभी वातार्लाप सेवायतों के जरिए होता है।इस प्राचीन परंपरा का भी श्रद्धापूर्वक निर्वहन किया गया।बाद में रसगुल्ला प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया।बाहुड़ा यात्रा के साथ हरिभंजा की वार्षिक रथ यात्रा का विधिवत समापन हो गया।अब पूरे वर्ष श्रीमंदिर में नित्य पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान पूर्ववत चलते रहेंगे। अब भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा पूरे वर्ष श्रीमंदिर के रत्न सिंहासन पर विराजमान रहकर नित्य पूजा-अर्चना ग्रहण करेंगे। अगले वर्ष आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के अवसर पर महाप्रभु पुनः रथ पर सवार होकर अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए श्रीमंदिर से बाहर निकलेंगे।यही प्रतीक्षा और आस्था रथ यात्रा को जन-जन के विश्वास और भक्ति का सबसे बड़ा उत्सव बनाती है।हरिभंजा की ऐतिहासिक रथ यात्रा ने एक बार फिर क्षेत्र की समृद्ध उत्कलीय परंपरा, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया।

गाण्डेय में साइबर ठगी का भंडाफोड़, फर्जी आरटीओ अधिकारी और डॉक्टर बनकर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

गिरिडीह(एजेंसी) : गिरिडीह पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए गाण्डेय थाना क्षेत्र के पुनईडीह गांव स्थित एक क्षतिग्रस्त मकान में छापेमारी कर दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर थाना प्रभारी रामेश्वर भगत के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बक्सीगरजा निवासी 21 वर्षीय मो. कैफ अंसारी और 19 वर्षीय मो. इरशाद अंसारी को गिरफ्तार किया।पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे फर्जी सिम कार्ड का उपयोग कर खुद को आरटीओ अधिकारी तथा डॉक्टर बताकर लोगों को फोन करते थे। इसके बाद ऑनलाइन चालान भुगतान और डॉक्टर की अपॉइंटमेंट बुकिंग के नाम पर लोगों से ठगी की जाती थी। पुलिस ने उनके पास से मोबाइल फोन, सिम कार्ड, एक आई-पैड तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है। इस मामले में साइबर थाना कांड संख्या 22/2026, दिनांक 24 जुलाई 2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।पूरे मामले की जानकारी शुक्रवार को आयोजित पत्रकार सम्मेलन में डीएसपी-2 आर.के. राणा ने दी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधियों के नेटवर्क और उनके अन्य सहयोगियों की भी जांच की जा रही है। गिरिडीह पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, फर्जी चालान लिंक या ऑनलाइन अपॉइंटमेंट के नाम पर मांगी गई जानकारी साझा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

बोकारो ट्रेजरी अवैध निकासी मामला,मुख्य आरोपी कौशल पांडेय की जमानत पर फैसला 27 जुलाई को

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : बोकारो ट्रेजरी से 11 करोड़ रुपये की अवैध निकासी मामले के मुख्य आरोपी कौशल कुमार पांडेय की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी हो गयी है।सीआइडी की विशेष अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।कोर्ट 27 जुलाई को अपना फैसला सुनाएगा।यह पूरा मामला बोकारो जिला एसपी कार्यालय की लेखा शाखा में फर्जी वेतन निकासी के रूप में सामने आया था।एजी की रिपोर्ट में खुलासा होने पर वित्त विभाग ने जांच के आदेश दिये थे।जांच के बाद दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मुख्य आरोपी कौशल पांडेय को गिरफ्तार किया गया।बाद में एएसआई अशोक भंडारी, गृह रक्षक सतीश कुमार और काजल मंडल को भी जेल भेजा गया था।

सीआइडी ने चार्जशीट में बताया है कि कौशल पांडेय डीडीओ को विश्वास में लेकर ओटीपी लेने के बाद धोखे से हस्ताक्षर हासिल करा लेता था। वह पुलिसकर्मियों के रिवार्ड के पैसे और जीपीएफ नंबर में हेरफेर कर राशि अपनी मां बृज कुमारी देवी के खाते में ट्रांसफर कर देता था।आरोपी सतीश कुमार के खाते में पैसे भेजकर 70 प्रतिशत नकदी खुद वसूल लेता था। सीआइडी ने आरोपियों के बोकारो स्थित आलीशान मकान, 1.18 करोड़ रुपये की एफडी फ्रीज की और सिपाही काजल मंडल के घर से 8.75 लाख रुपये नकद बरामद किये। सीआइडी अदालत में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

डीसी से मिले नगड़ी की रैयत, निर्माण पर रोक लगाने की मांग

रांची(एजेंसी) : नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स टू के निर्माण पर रोक लगाने की मांग को लेकर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के नेतृत्व में नगड़ी के रैयतों ने रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से मुलाकात की।उपायुक्त से निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग रखी। अपनी समस्या रखते हुए रैयतों ने अपनी जमीन संबंधी समस्याओं से बताये। रैयतों का कहना था कि खेती वाली भूमि का अधिग्रहण किये जाने से ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर हो जायेगी। उनकी जमीन खेती योग्य और उपजाऊ है। रैयतों ने बताया कि उनके जीवन आधार खेती-बारी ही है। ग्रामीणों की समस्याओं को उपायुक्त श्री भजंत्री ने गंभीरता पूर्वक सुना। इस दौरान कांके के अंचलाधिकारी अमित भगत और अधिवक्ता सुभाशिष सोरेन भी उपस्थित थे। श्री सोरेन ने इस संदर्भ में उपायुक्त को अनेक कानूनी पहलुओं से अवगत कराया।

बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन को लिखा पत्र जेपीएससी सदस्य जमाल अहमद को हटायें, संपत्ति की जांच एसीबी से कराए

रांची(एजेंसी) : प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर जेपीएससी के सदस्य जमाल अहमद को पद से हटाने की मांग की है। श्री मरांडी ने कहा कि जमाल अहमद ने चल-अचल संपत्तियों का विशाल साम्राज्य खड़ा किया है।उनकी संपत्ति की जांच एसीबी से करायें।श्री मरांडी का आरोप है कि रांची में उनके पास 3000 से 4000 वर्गफुट का आलीशान फ्लैट है।शहर में एक और बड़े फ्लैट की तलाश चल रही है। इसके अलावा हजारीबाग में भी बेनामी संपत्ति अर्जित करने की चर्चा है।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जमाल अहमद पहले प्राथमिक शिक्षक थे। 2008 में लेक्चर बने थे।उस नियुक्ति में भी भ्रष्टाचार के आरोप थे, उन्होंने कहा कि दागी व्यक्ति के हाथ में युवाओं का भविष्य देने से जेपीएससी की नियुक्तियों में पारदर्शिता और विश्वास खत्म होगा। यह राज्य के मेधावी छात्रों के साथ सीधा खिलवाड़ है।श्री मरांडी ने पत्र में सीएम से आग्रह किया है कि जमाल अहमद की सभी संपत्तियों, बैंक खातों और आय स्रोतों की एसीबी से गहन जांच हो।

श्रावणी मेला को लेकर जसीडीह स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे आरपीएफ आईजी

सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा,अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

देवघर(एजेंसी) : श्रावणी मेला की तैयारियों का जायजा लेने शुक्रवार को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के आईजी ए एन सिंहा जसीडीह रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने स्टेशन परिसर, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेशन पर बन रही व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेला अवधि में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।उन्होंने प्रवेश व निकास द्वारों पर सुरक्षा जांच, सीसीटीवी निगरानी, कंट्रोल रूम, भीड़ प्रबंधन और यात्रियों को सहायता उपलब्ध कराने की तैयारियों का भी जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान आईजी ने बताया कि इस बार मेले में लगाये जा रहे कुछ सीसीटीवी कैमरे एआई तकनीक से संचालित होंगे। इन कैमरों के सॉफ्टवेयर में पहले से अपराधी प्रवृत्ति के लोगों की तस्वीरें अपलोड रहेंगी। ऐसे व्यक्ति के स्टेशन परिसर में प्रवेश करते ही कंट्रोल रूम को स्वतः अलर्ट मिल जायेगा. इससे संदिग्ध लोगों की पहचान कर समय रहते कार्रवाई की जा सकेगी और यात्रियों की सुरक्षा और मजबूत होगी।आईजी ने कहा कि जसीडीह स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाया जा रहा है, जिसे भविष्य में परमानेंट होल्डिंग एरिया के रूप में विकसित किया जायेगा।उन्होंने बताया कि नियमित ट्रेनों के साथ श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनों में भी यात्रियों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ की स्कॉटिंग की व्यवस्था रहेगी।उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समय पर पूरी करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार, आरपीएफ इंस्पेक्टर देवनारायण, सीटीआई ऋषिदेव कुमार, सीआईटी अनूप कुमार निराला, एसीएम विजय कुमार, डीएस-।आरपी जयगोविंद प्रसाद गुप्ता तथा जीआरपी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर शंकर प्रसाद मौजूद थे।

दुमका पहुंचीं डीजीपी, श्रावणी मेला की सुरक्षा तैयारियों की ली जानकारी, एआई तकनीक के सहारे होगी श्रावणी मेला की निगरानी

दुमका(एजेंसी) : विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला को लेकर झारखंड पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। देवघर और बासुकिनाथ धाम का दौरा करने के बाद डीजीपी तदाशा मिश्रा दुमका पहुंचीं, जहां उन्होंने संताल परगना के सभी पुलिस अधीक्षकों के साथ सुरक्षा व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर समीक्षा बैठक की।इस बार मेले की निगरानी में एआई तकनीक का भी इस्तेमाल होगा।श्रावणी मेले में हर साल लाखों कांवरिया और श्रद्धालु देवघर व बासुकिनाथ धाम पहुंचते हैं। इसे देखते हुए झारखंड पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने में जुटी है।डीजीपी तदाशा मिश्रा ने पहले बाबा बैद्यनाथ और बासुकिनाथ धाम में पूजा-अर्चना की और वहां सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। इसके बाद वे दुमका पहुंचीं, जहां समाहरणालय स्थित पुलिस कार्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।बैठक में संताल परगना प्रमंडल के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था, लंबित कांडों के निष्पादन, वारंटों की तामिला, साइबर अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई की समीक्षा की गई।साथ ही श्रावणी मेला के दौरान बाबा बासुकिनाथ धाम समेत प्रमुख धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।डीजीपी ने कहा कि इस बार पारंपरिक पुलिस व्यवस्था के साथ आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी ए आई का भी उपयोग किया जाएगा। ए आई के माध्यम से भीड़ की निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा झारखंड पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल के साथ सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।समीक्षा बैठक में आईजी अभियान एनके सिंह, आईजी सीआईडी अजय लिंडा, आईजी संताल परगना मयूर पटेल कन्हैयालाल, डीआईजी अंबर लकड़ा, दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार सहित संताल परगना के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक मौजूद रहे।श्रावणी मेला शुरू होने से पहले पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप देने में जुटा है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा का अनुभव मिल सके।

रॉयल्टी के मामले में अव्यवस्था, विकास कार्य ठप, समाधान निकाले सरकार : संजय सेठ

रांची(एजेंसी) : रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा है कि रांची सहित पूरे राज्य में रॉयल्टी को लेकर अव्यवस्था कायम है।राज्य में विकास कार्य ठप पड़े हैं।राज्य सरकार की नीतिगत अस्पष्टता और प्रशासनिक विफलता का खामियाजा आज आम जनता भुगत रही है।श्री सेठ ने कहा कि रांची में सड़क, नाली और अन्य आधारभूत संरचना से जुड़े सैकड़ों विकास कार्य रुके हुए हैं।इन कार्यों के ठप होने का प्रमुख कारण मिट्टी-गिट्टी और बालू के परिवहन पर रॉयल्टी चालान को अनिवार्य करना है।दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सरकार ने यह स्पष्ट ही नहीं किया कि यह चालान जारी करने का अधिकार किस विभाग या एजेंसी के पास होगा।परिणामस्वरूप संवेदकों के सामने गंभीर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गयी है।श्री सेठ ने कहा है कि सरकार स्वयं यह तय नहीं कर पा रही है कि रॉयल्टी चालान कौन जारी करेगा।ऐसे में विकास कार्यों के सुचारु संचालन की अपेक्षा कैसे की जा सकती है।यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि विकास के प्रति सरकार की उदासीनता को भी दर्शाता है।यह अत्यंत दुःखद है कि जिन सामग्री के लिए सरकार ने टेंडर ही नहीं किया है, उसकी रॉयल्टी मांग रही है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार रॉयल्टी चालान जारी करने की प्रक्रिया और संबंधित विभाग को तत्काल स्पष्ट करे. विकास कार्य बिना किसी विलंब के पुनः प्रारंभ हो सके।विकास कार्यों को प्रशासनिक भ्रम और नीतिगत असमंजस का शिकार बनाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

नीट पेपर आंदोलनः रेलवे में हाई अलर्ट पर, अधिकारियों व जवानों की छुट्टियां रद्द

अवकाश पर गए आरपीएफ-जीआरपी जवानों को तत्काल ड्यूटी पर लौटने का निर्देश

गया जी (एजेंसी) : नीट पेपर मामले को लेकर प्रस्तावित आंदोलन के मद्देनजर रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। संभावित विरोध-प्रदर्शन और रेल परिचालन प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए आरपीएफ एवं जीआरपी को पूरी तरह सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए अधिकारियों एवं जवानों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई हैं। जो जवान पहले से अवकाश पर हैं उन्हें भी तत्काल ड्यूटी पर वापस लौटने का निर्देश जारी किया गया है। रेल सूत्रों ने बताया कि गया-कोडरमा, गया-किउल, गया-डीडीयू तथा गया-पटना रेलखंडों को विशेष रूप से संवेदनशील मानते हुए यहां सुरक्षा चौकसी बढ़ा दी गई है। स्टेशनों, रेलवे ट्रैक, यार्ड, पुल-पुलिया और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है। प्रमुख स्टेशनों पर संदिग्ध व्यक्तियों और सामान की गहन जांच के साथ लगातार निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई जिसमें आंदोलन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और रेल परिचालन को निर्बाध रखने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर के निर्देश पर गया जंक्शन के सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में रेल थाना अध्यक्ष शिवकुमार, आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव तथा सीआईबी इंस्पेक्टर चंदन कुमार की टीम लगातार सुरक्षात्मक गस्ती में जुटे हैं। अधिकारियों ने सभी सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मोड में रहने, संवेदनशील स्थानों पर लगातार गश्त करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना साझा करने का निर्देश दिया है।

गया जंक्शन पर आरपीएफ की कार्रवाई में 39.63 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

ऑपरेशन सतर्क के तहत प्लेटफॉर्म 6/7 से पकड़ा गया आरोपी

45 हजार 300 रुपये मूल्य की शराब उत्पाद विभाग को सौंपी गई

गया जी (एजेंसी) : ऑपरेशन सतर्क के तहत गया जंक्शन पर आरपीएफ ने कार्रवाई करते हुए 39.63 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर उत्पाद विभाग के हवाले कर दिया। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 45,हजार 300 रुपये बताई गई है। जानकारी के अनुसार सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में आरपीएफ की टीम गया जंक्शन परिसर में गश्त कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान शुक्रवार को करीब तीन बजे प्लेटफॉर्म संख्या 6/7 के दिल्ली छोर पर एक युवक सिर पर प्लास्टिक का बोरा लेकर तेजी से जाता दिखाई दिया। संदेह होने पर आरपीएफ जवानों ने उसे रोककर पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपनी पहचान सत्यम कुमार पिता धीरेंद्र प्रसाद ग्राम रॉबी, थाना पदमा, जिला हजारीबाग (झारखंड) के रूप में बताई।

जब बोरे में रखे सामान के बारे में पूछा गया तो युवक ने स्वीकार किया कि उसमें अंग्रेजी शराब है। इसके बाद आरपीएफ ने तत्काल उत्पाद विभाग गया को सूचना दी। सूचना पर सहायक अवर निरीक्षक मंजू कुमारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। तलाशी लेने पर बोरे से कुल 39.63 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई।आरपीएफ ने आरोपी और बरामद शराब को विधिसम्मत कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंप दिया।

टनकुप्पा स्टेशन के पास पेड़ की टहनी गिरने से रेलकर्मी चंद्रिका यादव की दर्दनाक मौत

भारी टहनी गिरने से मौके पर ही हुई मौत, रेलवे कर्मचारियों और परिजनों में शोक

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गया जिले के टनकुप्पा स्टेशन के समीप शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में रेलवे के गैंगमैन चन्द्रिका यादव (55) की मौत हो गई। वह टनकुप्पा प्रखंड की भेटौरा पंचायत के बभनीमा गांव के निवासी थे और टनकुप्पा स्टेशन पर गैंगमैन के पद पर कार्यरत थे। हादसे की खबर मिलते ही रेलवे कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, चन्द्रिका यादव रोज की तरह शुक्रवार सुबह अपने घर से ड्यूटी करने के लिए टनकुप्पा स्टेशन पहुंचे थे। सुबह करीब आठ बजे वह स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक के पास मौजूद थे। इसी दौरान अप रेल लाइन से एक मालगाड़ी गुजर रही थी। ट्रेन के सुरक्षित गुजरने तक वह पास में स्थित एक पेड़ के नीचे खड़े होकर इंतजार कर रहे थे। तभी अचानक पेड़ की एक भारी टहनी टूटकर सीधे उनके ऊपर आ गिरी। टहनी के नीचे दबने से उनके सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।इधर घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल, रेलवे के अधिकारी, सहकर्मी और स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद टहनी हटाकर शव को बाहर निकाला गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया भेज दिया। घटना के कारण कुछ देर तक स्टेशन परिसर में अफरा- तफरी का माहौल बना रहा।

टनकुप्पा से रहस्यमय ढंग से लापता महिला 10 दिन बाद गुरपा में मिली, परिजनों में राहत

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : टनकुप्पा थाना क्षेत्र से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुई महिला करीब 10 दिन बाद गुरपा क्षेत्र में सकुशल मिल गई। महिला की पहचान टनकुप्पा निवासी दशरथ प्रसाद की पत्नी प्रतिमा देवी के रूप में हुई है। वह पिछले सप्ताह बुधवार को घर से निकली थीं और वापस नहीं लौटी थीं। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। शुक्रवार को प्रतिमा देवी के गुरपा में मिलने की सूचना मिलते ही परिजन वहां पहुंचे और उन्हें अपने साथ घर ले आए। महिला के सकुशल लौटने से पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। खासकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे हैं। हालांकि महिला इतने दिनों तक कहां रही और किन परिस्थितियों में थी, इसे लेकर परिजन उनसे जानकारी लेने में जुटे हैं। पुलिस भी मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली के छात्र आंदोलन की गूंज बिहार में, कई शहरों में हिंसक प्रदर्शन के बाद पुलिस अलर्ट, उपद्रवियों की तस्वीरें जारी

पटना, (एजेंसी) : नीट पेपर लीक मामले और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर शुरू हुआ छात्र आंदोलन अब बिहार के कई जिलों में उग्र रूप लेता नजर आ रहा है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुए कथित पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में पटना, दरभंगा, कटिहार, बेगूसराय, जहानाबाद, मुजफ्फरपुर सहित कई शहरों में प्रदर्शन हुए। कुछ स्थानों पर प्रदर्शन हिंसक हो गए, जिसके बाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और उपद्रव में शामिल संदिग्ध लोगों की पहचान के लिए उनकी तस्वीरें सार्वजनिक की हैं।

- पूरे बिहार में पुलिस अलर्ट, सोशल मीडिया पर भी निगरानी

बिहार पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। प्रमुख चौक-चौराहों पर फ्लैग मार्च कराया जा रहा है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है ताकि अफवाहों और भड़काऊ सामग्री पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

- पटना में 50 से अधिक संदिग्धों की तलाश

22 जुलाई को पटना के गांधी मैदान और आयकर गोलंबर क्षेत्र में हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस के अनुसार कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया, सरकारी वाहनों को नुकसान पहुंचाया तथा मीडिया

कर्मियों और आम लोगों पर पथराव किया। पटना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, वीडियो और सोशल मीडिया के आधार पर 50 से अधिक संदिग्धों की पहचान की है और उनकी तस्वीरें जारी कर लोगों से पहचान में सहयोग की अपील की है। सूचना देने के लिए पुलिस ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि शहर में स्थिति सामान्य है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

मुजफ्फरपुर में इनाम की घोषणा

मुजफ्फरपुर में छात्रों का विरोध मार्च देर रात हिंसक हो गया। पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर संदिग्धों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने किसी भी संदिग्ध की पहचान या ठोस सूचना देने वाले व्यक्ति के लिए 10 हजार रुपये के नकद इनाम की घोषणा की है।

बेगूसराय में पथराव, कई घायल

बेगूसराय में छात्र संगठनों द्वारा निकाले गए मार्च के बाद पुलिस पर पथराव की घटना हुई, जिसमें कई पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग घायल हुए। पुलिस ने सोशल मीडिया और वीडियो फुटेज के आधार पर करीब 30 संदिग्धों की पहचान कर उनकी तस्वीरें सार्वजनिक की हैं।

कटिहार में 14 गिरफ्तार, जांच जारी

कटिहार में छात्रों ने समाहरणालय का घेराव किया। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा मुख्य प्रवेश द्वार को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया गया और पथराव में ड्यूटी मजिस्ट्रेट घायल हो गए। पुलिस ने मामले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन वीडियो और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर हिंसा में शामिल अन्य लोगों की भी पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

अब प्रोजेक्ट से सीखेंगे बच्चे, बदल रही है पढ़ाई की तस्वीर

पीएम श्री +2 राम सहाय उच्च विद्यालय में पीएलसी शिक्षकों की मासिक शैक्षणिक बैठक आयोजित

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित पीएम श्री +2 राम सहाय उच्च विद्यालय में शुक्रवार को प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग (पीबीएल) कार्यक्रम के तहत प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (पीएलसी) शिक्षकों की मासिक शैक्षणिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों में प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने तथा डिजिटल संसाधनों के बेहतर उपयोग पर विस्तार से मंथन किया गया।बैठक के दौरान तकनीकी टीम ने शिक्षकों को पीबीएल से जुड़े नए डिजिटल टूल्स और शिक्षण संसाधनों से परिचित कराया। साथ ही इनका कक्षा शिक्षण में व्यावहारिक उपयोग भी प्रदर्शित किया गया, ताकि शिक्षक आधुनिक तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक और प्रभावी बना सकें।प्रखंड तकनीकी सदस्य विनय कुमार ने कहा कि प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, टीम भावना, आलोचनात्मक चिंतन और समस्या समाधान जैसी जीवनोपयोगी क्षमताओं का विकास करती है। उन्होंने शिक्षकों से इस पद्धति को नियमित शिक्षण का हिस्सा बनाकर बच्चों को अनुभवात्मक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार राय ने की। इस अवसर पर प्रखंड तकनीकी टीम के सदस्य राजकुमार पासवान, बिनय कुमार, शैलेंद्र कुमार एवं राहुल कुमार ने फैसिलिटेटर के रूप में शिक्षकों का मार्गदर्शन किया तथा पीबीएल के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।

मोटर वाहन दुर्घटना पीड़ित सात परिवारों को 68 लाख 28 हजार रुपये का मिलेगा मुआवजा

मगध प्रमंडल मोटरवाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण का आया फैसला,

बीमा कंपनियों को भुगतान का दिया गया निर्देश

गया जी(एजेंसी) : बिहार मोटरवाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण मगध प्रमंडल गयाजी के द्वारा जुलाई माह में विभिन्न मोटर वाहन दुर्घटना दावा मामलों की सुनवाई के बाद सात पीड़ित परिवारों के पक्ष में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया गया। न्यायाधिकरण ने कुल 68.28 लाख रुपये की मुआवजा राशि संबंधित बीमा कंपनियों को पीड़ितों के बैंक खातों में भुगतान करने का निर्देश दिया है। इससे दुर्घटनाओं में अपने परिजनों को खोने अथवा गंभीर रूप से प्रभावित परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी। डीटीओ राजेश कुमार ने बताया कि

न्यायाधिकरण के आदेश के अनुसार वाद संख्या 279/25 में मारो देवी को 13.03 लाख रुपये, वाद संख्या 300/25 में सारो देवी को 18.62 लाख रुपये तथा वाद संख्या 804/25 में रंगीता देवी को 16.63 लाख रुपये का मुआवजा स्वीकृत किया गया। इसके अलावा वाद संख्या 687/25 में बबीता देवी, वाद संख्या 1262/25 में शकुन्तला देवी, वाद संख्या 483/24 में हरेन्द्र कुमार तथा वाद संख्या 821/25 में सुरेन्द्र यादव के पक्ष में भी मुआवजा राशि निर्धारित की गई। इन सभी मामलों को मिलाकर कुल 68.28 लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा।

न्यायाधिकरण के आदेश के अनुरूप संबंधित बीमा कंपनियां, जिनमें न्यू इंडिया एश्योरेंस, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, चोलामंडलम एमएस जनरल इंश्योरेंस, टाटा एआईजी, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस तथा यूनिवर्सल सोमपो इंश्योरेंस शामिल हैं जो लाभुकों के बैंक खातों में निर्धारित राशि हस्तांतरित करेंगी। न्यायाधिकरण ने सभी लाभार्थियों के बैंक खाते और आईएफएससी कोड के आधार पर सीधे भुगतान की प्रक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है ताकि मुआवजा राशि सुरक्षित एवं पारदर्शी तरीके से पीड़ित परिवारों तक पहुंच सके। कानूनी जानकारों का कहना है कि मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण के ऐसे निर्णय सड़क दुर्घटना पीड़ितों और उनके आश्रितों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। इससे न केवल पीड़ित परिवारों को राहत मिलती है बल्कि सड़क दुर्घटना मामलों में न्यायिक प्रक्रिया के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत होता है।

डीआरएम ने गया-कोडरमा रेलखंड का किया विंडो निरीक्षण

बंधुआ,गुरपा-गझंडी घाटी की सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

समयाभाव के कारण पहाड़पुर और टनकुप्पा स्टेशन पर नहीं हो सका निर्धारित ठहराव

धनबाद/फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : धनबाद रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अखिलेश मिश्रा ने शुक्रवार को गया-कोडरमा रेलखंड का विंडो निरीक्षण कर रेल परिचालन और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निर्धारित कार्यक्रम के तहत वे डीआरएम स्पेशल ट्रेन से कोडरमा से बंधुआ स्टेशन तक पहुंचे और पूरे रेलखंड का निरीक्षण किया। इसके बाद डाउन लाइन से पुनः विंडो निरीक्षण करते हुए धनबाद के लिए रवाना हो गए।निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने गुरपा-गझंडी घाटी रेल सेक्शन में स्थित तीन प्रमुख रेल टनलों (पहाड़ी रेल गुफाओं) का विशेष रूप से सुरक्षात्मक निरीक्षण किया। उन्होंने रेल पथ, टनलों की सुरक्षा व्यवस्था तथा परिचालन संबंधी विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करते हुए साथ चल रहे विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील रेलखंडों पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिय पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डीआरएम को पहाड़पुर और टनकुप्पा रेलवे स्टेशन पर रुककर स्थानीय व्यवस्थाओं का निरीक्षण करना था। हालांकि समयाभाव के कारण उनका इन दोनों स्टेशनों पर ठहराव नहीं हो सका और स्पेशल ट्रेन वहां से बिना रुके आगे बढ़ गई। डीआरएम के निरीक्षण को लेकर पूरे रेलखंड में पहले से ही तैयारी की गई थी। अधिकारियों और कर्मचारियों ने रेल पथ, स्टेशन परिसर तथा अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा। रेल अधिकारियों का मानना है कि इस तरह के नियमित निरीक्षण से रेल सुरक्षा, संरक्षा और यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

बांका में 300 एकड़ सरकारी जमीन की संदिग्ध जमाबंदी का मामला, 100 से अधिक लोगों को नोटिस

बांका,(एजेंसी) : बिहार के बांका जिले के कटोरिया और चांदन अंचल में करीब 300 एकड़ गैरमजरुआ (सरकारी) भूमि की संदिग्ध जमाबंदी का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने जांच तेज कर दी है। प्रारंभिक जांच में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के संकेत मिलने पर प्रशासन ने 100 से अधिक लोगों को नोटिस जारी कर निर्धारित तिथि पर अपना पक्ष और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। राजस्व विभाग की प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि पुराने राजस्व अभिलेखों और अन्य दस्तावेजों में कथित हेरफेर कर सरकारी भूमि को निजी व्यक्तियों के नाम पर दर्ज कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभिन्न स्तरों पर विस्तृत जांच की जा रही है।

अपर समाहर्ता (एडीएम) न्यायालय द्वारा जारी नोटिस में संबंधित लोगों से भूमि स्वामित्व से जुड़े सभी मूल दस्तावेज, खतियान, लगान रसीद, दाखिल-खारिज के अभिलेख तथा अन्य वैध साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा गया है। सुनवाई के दौरान इन दस्तावेजों का पुराने राजस्व रिकॉर्ड और सरकारी अभिलेखों से मिलान किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी जमाबंदी के समर्थन में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाता है या जांच में यह प्रमाणित होता है कि सरकारी भूमि पर अवैध रूप से जमाबंदी दर्ज कराई गई है, तो बिहार भूमि राजस्व अधिनियम के तहत संबंधित जमाबंदी निरस्त कर दी जाएगी। इसके बाद भूमि को पुनः सरकारी खाते में दर्ज किया जाएगा।

कार्रवाई के तहत चांदन अंचल के बिरनियां मौजा स्थित खाता संख्या-37, खेसरा संख्या-135 की 17.92 एकड़ गैरमजरुआ सरकारी भूमि से संबंधित तीन जमाबंदियां पहले ही रद्द की जा चुकी हैं। जांच में यह भूमि सरकारी पाई गई और राजस्व अभिलेखों व लगान रसीदों में कई विसंगतियां सामने आई थीं। एडीएम न्यायालय ने जमाबंदी संख्या 663/579 (1 एकड़), 659/532 (5.47 एकड़) और 274 (11.45 एकड़) को निरस्त करने का आदेश जारी किया है।अपर समाहर्ता अजीत कुमार ने बताया कि जिले में सरकारी भूमि की संदिग्ध जमाबंदियों की जांच लगातार जारी है। विशेष रूप से कटोरिया और चांदन अंचल में कई मामलों में अनियमितताएं सामने आई हैं। सभी मामलों की विधिसम्मत जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सावन से पहले गुरुपदगिरि पर्वत पर तैयारी की दस्तक, श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर जोर

पर्यटन स्थल बनने के बाद पहले श्रावणी मेले को लेकर बढ़ी उम्मीदें

डीएम से मिले जनप्रतिनिधि, श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था का मिला भरोसा

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : सावन माह में फतेहपुर प्रखंड स्थित ऐतिहासिक, धार्मिक एवं बौद्धकालीन गुरुपदगिरि (गुरपा) पर्वत पर आयोजित होने वाले एक माह के श्रावणी मेले को लेकर प्रशासनिक तैयारियों की मांग तेज हो गई है। इस वर्ष राज्य सरकार द्वारा गुरुपदगिरि पर्वत को पर्यटन स्थल का दर्जा दिए जाने के बाद यहां लगने वाला पहला सावन मेला होने के कारण स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने मेले के दौरान सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं की समुचित

व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग जिला प्रशासन से की है।कठौतिया केवाल पंचायत की मुखिया सारिका कुमारी, समाजसेवी रंजीत साव ने बताया कि श्रावणी मेले के दौरान गुरुपदगिरि पर्वत की तलहटी से लेकर शिखर तक हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। ऐसे में पर्वत के नीचे और ऊपर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता, प्राथमिक उपचार केंद्र, एंबुलेंस तथा स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इन मांगों को लेकर गत सप्ताह जिलाधिकारी शशांक शुभंकर से मुलाकात कर विस्तृत प्रस्ताव सौंपा गया था। जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने का भरोसा दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्यटन स्थल घोषित होने के बाद गुरुपदगिरि पर्वत के विकास की संभावनाएं बढ़ी हैं। पर्यटन विभाग भी यहां आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में पहल कर रहा है। ऐसे में यदि श्रावणी मेले के दौरान बेहतर सुरक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं तो न केवल श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी, बल्कि गुरुपदगिरि पर्वत धार्मिक एवं पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख पहचान भी स्थापित करेगा।

डीआरएम तक पहुंची टनकुप्पा की आवाज, ट्रेनों के ठहराव व सुविधाओं के विस्तार की उठी मांग

इंटरसिटी व वैशाली-राजगीर पैसेंजर के नियमित ठहराव की मांग दोहराई

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : धनबाद रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के विंडो निरीक्षण के दौरान समयाभाव के कारण उनकी विशेष ट्रेन पहाड़पुर और टनकुप्पा स्टेशन पर नहीं रुक सकी। इसके चलते स्थानीय लोगों और गया-धनबाद ग्रैंड कॉर्ड रेल संघर्ष समिति, टनकुप्पा के प्रतिनिधियों को डीआरएम से आमने-सामने अपनी मांगें रखने का अवसर नहीं मिला। हालांकि समिति ने यात्रियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए व्हाट्सएप के माध्यम से डीआरएम को विस्तृत मांग पत्र भेज दिया।समिति के अध्यक्ष ई. नंदलाल मांझी ने बताया कि मांग पत्र में 13234/13233 अप-डाउन दानापुर-कोडरमा इंटरसिटी एक्सप्रेस तथा 63384/63383 अप-डाउन वैशाली-राजगीर पैसेंजर ट्रेन का टनकुप्पा स्टेशन पर नियमित ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इसके साथ ही स्टेशन पर आरक्षित टिकट बुकिंग काउंटर की सुविधा शुरू करने, यात्रियों के लिए आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और ऊंचे प्लेटफॉर्म के निर्माण की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई हैसमिति के अध्यक्ष का कहना है कि टनकुप्पा स्टेशन आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों के लिए आवागमन का प्रमुख केंद्र है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र, कर्मचारी, व्यापारी और आम यात्री इस स्टेशन से सफर करते हैं, लेकिन ट्रेनों के सीमित ठहराव और बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण उन्हें लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ई. नंदलाल मांझी ने कहा कि डीआरएम से भले ही प्रत्यक्ष मुलाकात नहीं हो सकी, लेकिन मांग पत्र के माध्यम से स्थानीय लोगों की अपेक्षाओं से उन्हें अवगत कराया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि रेल प्रशासन यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए टनकुप्पा स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव बढ़ाने और यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में सकारात्मक निर्णय लेगा।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इंकार और टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने 20 जुलाई को जंतर मंतर से संसद तक मार्च के दौरान छात्रों पर हुई लाठी चार्ज, आंसू गैस और पुलिस का दुर्व्यवहार, आंदोलनकारियों को गिरफ्तार करने के मामले की त्वरित सुनवाई से इंकार कर दिया था। तीन जजों की बेंच के सामने यह याचिका लगाई गई थी। याचिकाकर्ता वकील से मुख्य न्यायाधीश ने कहा, उनकी इस याचिका और आप जो वीडियो लेकर आए हैं उसमें हमें कोई रुचि नहीं है। जब वकील साहब ने दूसरी बार अनुरोध किया तो मुख्य न्यायाधीश ने नाराजी के साथ कहा, हमारा और अपना समय बर्बाद मत करें। मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी की देश भर में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। इससे पहले एक मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने बेरोजगार युवाओं के लिए कॉकरोच शब्द का उपयोग किया था। उनका कहना था कि बेरोजगार युवा कॉकरोच की तरह होते हैं। उसके बाद इस पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई और विदेश में कॉकरोच जनता पार्टी का जन्म हो गया। आज वही सीजेपी जंतर मंतर में प्रदर्शन कर रही। संसद मार्च के दौरान पुलिस ने अमानवीय व्यवहार किया, सैकड़ो छात्र पुलिस लाठी चार्ज में बुरी तरह घायल हुए, प्रदर्शनकारियों के ऊपर पेलट गन एवं इलेक्ट्रिक छड़ी का इस्तेमाल किया गया। सादी वर्दी वाली पुलिस ने कई घंटे तक जबरदस्त मारपीट की। घायलों का इलाज नहीं हुआ। सैकड़ो लोगों को हिरासत में लेकर वहां से ले जाया गया। पुलिस ने महिलाओं के साथ भी मारपीट की। अधिकांश प्रदर्शनकारियों के पास मोबाइल फोन थे, जो प्रदर्शन स्थल और जंतर मंतर में हर घटना का वीडियो बना रहे थे, कई वीडियो का लाइव प्रसारण हो रहा था, उसमें दिल्ली पुलिस की अमानवीय और अवैधानिक कृत्य इंटरनेट के जरिए सारी दुनिया देख रही थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट के वकील भी स्वयं याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। इस संवेदनशील घटना पर जहां सुप्रीम कोर्ट को स्वयं संज्ञान लेना था वहां पर याचिका पेश होने के बाद यह कहना कि हमारा समय बर्बाद ना करें, वीडियो पर हमारी कोई रुचि नहीं है, याचिका की सुनवाई अभी नही होगी। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जिस तरह से सरकार के पक्ष में निर्णय हो रहे हैं अदालतों से सरकार को एक तरह से संरक्षण दिया जा रहा है उसकी प्रतिक्रिया अब पूरे देश में हो रही है। इसके साथ-साथ अब यह चर्चा भी चल पड़ी है जज भगवान नहीं हैं, उन्हें भी नियम कानून और संविधान के तहत काम करना होता है।

एक बुद्धिमान व्यक्ति के प्रश्न में ही आधा उत्तर छिपा रहता है।

: सोलोमन इब्न गेबिरोल

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है।

: अमरीकी कहावत

पेपर लीक पर छात्र आंदोलन से 2027 में राहुल-अखिलेश को कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा?

उत्तर प्रदेश की राजनीति में किसान आंदोलन के बाद अब छात्र आंदोलन का मुद्दा 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले नई राजनीतिक जमीन तैयार करता दिखाई दे रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था की कथित गड़बड़ियों के खिलाफ छात्रों का गुस्सा अब केवल परीक्षा केंद्रों और धरना स्थलों तक सीमित नहीं है। यह मुद्दा संसद से लेकर सड़क तक पहुंच चुका है और विपक्षी दल इसे सरकार के खिलाफ बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। सवाल यही है कि क्या छात्रों का यह आक्रोश 2027 में भारतीय जनता पार्टी के लिए वही चुनौती बन सकता है, जिसकी उम्मीद विपक्ष ने 2022 में किसान आंदोलन के बाद की थी?इस पूरे घटनाक्रम में राहुल गांधी और अखिलेश यादव की सक्रियता सबसे अधिक दिखाई दे रही है। पेपर लीक के मुद्दे पर राहुल गांधी पहले से सरकार को घेरते रहे हैं, लेकिन छात्रों के आंदोलन ने उन्हें सीधे सड़क पर उतरने का अवसर दे दिया है। अखिलेश यादव के लिए यह मुद्दा इसलिए और महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं और युवाओं की नाराजगी लंबे समय से विपक्ष के प्रमुख मुद्दे रहे हैं। छात्र आंदोलन को समर्थन देकर समाजवादी पार्टी एक ऐसे वर्ग तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है, जो आने वाले चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।मामला केवल नीट या किसी एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणाम में देरी और भर्ती प्रक्रिया पर उठते सवालों ने लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में यह समस्या और गंभीर हो जाती है, जहां लाखों युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। एक परीक्षा की तैयारी में परिवार की बचत, छात्र की उम्र और कई वर्षों का समय लग जाता है। ऐसे में परीक्षा रद्द होने या पेपर लीक की खबर केवल प्रशासनिक समस्या नहीं रहती, बल्कि परिवारों के लिए आर्थिक और भावनात्मक संकट बन जाती है।

केंद्र सरकार ने 2024 में लोक परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकने के लिए कानून बनाया था। इस कानून में पेपर लीक, संगठित नकल और परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी को अपराध बनाया गया तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान किया गया। इसके बावजूद जब लगातार नई घटनाओं को लेकर सवाल उठते हैं तो छात्रों का असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। यही वह बिंदु है जहां विपक्ष सरकार से पूछ रहा है कि कानून बनने के बाद भी व्यवस्था में वह भरोसा क्यों नहीं बन पाया, जिसकी छात्रों को सबसे ज्यादा जरूरत है।आंदोलन के बढ़ते दबाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देर रात वीडियो संदेश जारी कर पेपर लीक के खिलाफ और कड़े कदमों तथा नए कानून की बात करना राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पेपर लीक लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए गंभीर पीड़ा का विषय है और सरकार दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगी। सरकार की ओर से यह संदेश उस समय आया जब छात्र आंदोलन लगातार विस्तार ले रहा था और विपक्षी दल इसे संसद और सड़क दोनों जगह उठा रहे थे।यहीं से इस आंदोलन का राजनीतिक पहलू सामने आता है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव दोनों जानते हैं कि छात्र आंदोलन को केवल सरकार विरोधी प्रदर्शन में बदल देना आसान नहीं है। छात्र किसी राजनीतिक दल के झंडे के नीचे आंदोलन शुरू नहीं करते। उनकी पहली मांग परीक्षा व्यवस्था में भरोसा, पारदर्शिता और भविष्य की सुरक्षा होती है। इसलिए विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह छात्रों की आवाज का समर्थन करते हुए आंदोलन पर अपना राजनीतिक कब्जा करने की कोशिश करता हुआ दिखाई न दे।

2022 का किसान आंदोलन इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए सबसे बड़ा उदाहरण है। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ लंबे आंदोलन के बाद केंद्र सरकार ने नवंबर 2021 में तीनों कानून वापस ले लिए थे। उस समय उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले थे। समाजवादी पार्टी को उम्मीद थी कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों की नाराजगी भाजपा के खिलाफ बड़ा राजनीतिक माहौल बनाएगी। अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन किया और जयंत चौधरी के साथ मिलकर किसान मुद्दे को चुनावी अभियान का प्रमुख हिस्सा बनाया।लेकिन चुनाव परिणामों ने विपक्ष की उम्मीदों को पूरी तरह सच साबित नहीं किया। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 255 सीटें जीतीं और उसके सहयोगियों के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की कुल सीटें 273 तक पहुंचीं। समाजवादी पार्टी को 111 सीटें मिलीं, जबकि उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल को 8 सीटें मिलीं। भाजपा का वोट प्रतिशत लगभग 41.29 प्रतिशत रहा, जबकि समाजवादी पार्टी को 32.06 प्रतिशत वोट मिले। यानी किसान आंदोलन के बाद भाजपा की सीटें जरूर घटीं, लेकिन वह सत्ता से बाहर नहीं हुई।हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव ने उत्तर प्रदेश की राजनीति का समीकरण बदल दिया। समाजवादी पार्टी राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और कांग्रेस के साथ गठबंधन ने भाजपा को बड़ा नुकसान पहुंचाया। इस परिणाम ने विपक्ष को यह विश्वास दिया कि युवा, रोजगार, भर्ती और पेपर लीक जैसे मुद्दे यदि जातीय और सामाजिक समीकरणों से जुड़ जाएं तो भाजपा के लिए चुनौती पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से एक साल पहले छात्र आंदोलन विपक्ष के लिए सामान्य विरोध प्रदर्शन से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

लेकिन यहां किसान आंदोलन और छात्र आंदोलन के बीच बड़ा अंतर भी है। किसान आंदोलन मुख्य रूप से एक संगठित सामाजिक वर्ग और मजबूत किसान संगठनों के नेतृत्व में चला था। उसके पास गांवों तक फैला हुआ संगठनात्मक ढांचा था। छात्र आंदोलन का स्वरूप अधिक बिखरा हुआ है। इसमें अलग-अलग परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा, कोचिंग संस्थानों से जुड़े छात्र, बेरोजगार अभ्यर्थी और उनके परिवार शामिल हैं। यह आंदोलन बहुत बड़ा जनभावनात्मक मुद्दा तो बन सकता है, लेकिन उसे चुनावी वोट में बदलना अपने आप में कठिन है।दूसरी चुनौती यह है कि छात्र हर चुनाव में एक जैसा राजनीतिक व्यवहार नहीं करते। एक ही परिवार में माता-पिता किसी एक दल के समर्थक हो सकते हैं, जबकि युवा किसी दूसरे दल के। कई छात्र रोजगार और परीक्षा व्यवस्था से नाराज होने के बावजूद मतदान के समय कानून-व्यवस्था, जातीय समीकरण, कल्याणकारी योजनाओं, धार्मिक मुद्दों और स्थानीय उम्मीदवार को भी महत्व देते हैं। इसलिए यह मान लेना कि पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन सीधे भाजपा के वोट में बदल जाएगा, जल्दबाजी होगी।फिर भी इस आंदोलन को हल्के में लेना भाजपा के लिए जोखिम भरा हो सकता है। उत्तर प्रदेश में युवाओं की संख्या बहुत बड़ी है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों का प्रभाव केवल उनके वोट तक सीमित नहीं रहता। वे अपने परिवारों और गांवों में राजनीतिक चर्चा को प्रभावित करते हैं। यदि लगातार परीक्षाओं में गड़बड़ी, पेपर लीक और भर्ती में देरी का मुद्दा बना रहता है तो यह सरकार के खिलाफ धीरे-धीरे जमा होने वाली नाराजगी में बदल सकता है।

राहुल गांधी और अखिलेश यादव के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है कि वे इस आंदोलन को केवल सरकार विरोधी नारे तक सीमित न रखकर रोजगार, भर्ती कैलेंडर, परीक्षा सुरक्षा और जवाबदेही का ठोस राजनीतिक एजेंडा बनाएं। यदि विपक्ष केवल धरना, गिरफ्तारी और तस्वीरों तक सीमित रहा तो किसान आंदोलन की तरह छात्र आंदोलन का भी राजनीतिक लाभ सीमित रह सकता है। लेकिन यदि वह छात्रों की वास्तविक समस्याओं के समाधान का स्पष्ट मॉडल सामने रखता है, तो 2027 में यह मुद्दा भाजपा के खिलाफ व्यापक असंतोष को जोड़ने का काम कर सकता है।अंततः सवाल यह नहीं है कि राहुल गांधी या अखिलेश यादव छात्र आंदोलन से राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं या नहीं। राजनीति में हर दल जनता के आंदोलनों से जुड़कर लाभ लेने की कोशिश करता है। असली सवाल यह है कि क्या छात्र उन्हें अपना विश्वसनीय प्रतिनिधि मानेंगे? किसान आंदोलन के बाद विपक्ष को उम्मीद के मुताबिक लाभ नहीं मिला था, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव ने दिखा दिया कि उत्तर प्रदेश का मतदाता सत्ता के लंबे प्रभुत्व को भी चुनौती दे सकता है। अब 2027 में पेपर लीक और रोजगार का मुद्दा कितना बड़ा चुनावी हथियार बनेगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सरकार छात्रों का भरोसा कितनी जल्दी वापस हासिल करती है और विपक्ष आंदोलन की आवाज को कितनी गंभीरता से राजनीतिक कार्यक्रम में बदल पाता है। फिलहाल इतना साफ है कि छात्र आंदोलन केवल परीक्षा व्यवस्था का सवाल नहीं रह गया है। उत्तर प्रदेश में यह अब सत्ता, विपक्ष और युवाओं के बीच भरोसे की लड़ाई बन चुका है।

अजय कुमार,

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

युवाओं को कम्युनिस्ट लॉबी और आंदोलनजीवी बना रहे हैं अपनी कठपुतली

आज भारत के बड़े-बड़े महानगरों (मेट्रो सिटीज) से एक ऐसी भयावह सामाजिक और पारिवारिक सच्चाई सामने आ रही है, जो किसी भी माता-पिता की रूह कंपा देने के लिए काफी है। दिन-रात हाड़-तोड़ मेहनत करके, अपने सुखों का बलिदान देकर जिन बच्चों को माता-पिता ने पाला-पोसा, आज वही बच्चे कॉलेज लाइफ की चकाचौंध में जाकर वोदका, चरस, वेप (ई-सिगरेट) और एक अजीब किस्म के वैचारिक भटकाव का शिकार हो रहे हैं। यह एक ऐसी कड़वी और सनसनाती हकीकत है, जो आज राष्ट्रीय चिंतन का विषय बन चुका है। भगवद्गीता के 18वें अध्याय के 61वें श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं-

ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति।

भ्रामयन्सर्वभूतानि यन्त्रारूढानि मायया।।

अर्थात- हे अर्जुन! परमेश्वर सभी प्राणियों के हृदय में स्थित हैं और अपनी माया से, यंत्र पर सवार कठपुतलियों की तरह उन्हें भ्रमित या संचालित करते हैं।

आज के इस कलयुगी दौर में इस श्लोक की एक अत्यंत भयावह सामाजिक व्याख्या देखने को मिल रही है। ईश्वर तो सबके हृदय में वास करता है, लेकिन आज की जेन जी पीढ़ी के भोले-भाले बच्चों को कुछ चालाक आंदोलनजीवियों और कम्युनिस्ट लॉबियों ने अपनी वैचारिक मायाजाल का शिकार बना लिया है। ये बच्चे अब ईश्वर या माता-पिता के नहीं, बल्कि उन वैचारिक भेड़ियों के हाथ की कठपुतली (यन्त्रारूढानि) बन चुके हैं, जो इन्हें पारंपरिक परिवार व्यवस्था के खिलाफ भड़काते हैं। यह कोई मनगढ़ंत कहानी नहीं है, बल्कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है। वरिष्ठ और दिग्गज अभिनेता पीयूष मिश्रा ने खुद अपने साक्षात्कारों में इस दर्दनाक सच को कबूला है। पीयूष मिश्रा के अनुसार, कम्युनिस्टों के चंगुल में फंसकर उन्होंने अपने जीवन के बेहद कीमती 20 साल बर्बाद कर दिए। उस दौर में कॉमरेड्स द्वारा यह पट्टी पढ़ाई जाती थी कि माता-पिता गंदी चीज हैं, परिवार गंदी चीज है और आपको केवल समाज और तथाकथित क्रांति के लिए जीना है। इस वैचारिक नशे का नतीजा यह हुआ कि उन्होंने अपने परिवार, बीवी और माता-पिता को छोड़ दिया। उनके माता-पिता बिना सेवा और घोर तंगी में जिए। जब उन्हें अहसास हुआ कि वे एक बेहद खराब बेटे और पति साबित हुए हैं, तब जाकर उनके दिमाग से इस तथाकथित वामपंथी क्रांति का नशा उतरा।

आज 60-70 वर्ष की उम्र पार कर चुके कई पुराने वामपंथियों का पारिवारिक बैकग्राउंड उठाकर देख लीजिए, उनके खुद के माता-पिता अकेले कमरों में घुट-घुट कर मर गए और ये लोग क्रांति का झंडा बुलंद करने में व्यस्त रहे।

महानगरों के आलीशान दफ्तरों और कॉर्पोरेट जगत में रात-दिन पैसा कमाने में व्यस्त माता-पिता अपने बच्चों को महंगे स्कूलों और कॉलेजों में भेजते हैं। लेकिन वहां क्या हो रहा है? स्कूल बैग में बच्चों की किताबों के बीच ई सिगरेट (वेप) और नशीले पदार्थ मिल रहे हैं। इन बच्चों का परिवार नामक पवित्र संस्था से विश्वास पूरी तरह उठा दिया गया है। उन्हें सिखाया जा रहा है कि शादी करना, परिवार बढ़ाना या माता-पिता की सेवा करना आउटडेटेड और पिछड़ापन है। चालाक राजनेता और सामाजिक कार्यकर्ता अपने खुद के बच्चों को विदेशों की सुरक्षित और महंगी यूनिवर्सिटीज में पढ़ने के लिए भेज देते हैं, लेकिन आपके और हमारे बच्चों को भारत में आंदोलनजीवी और एल जी बी टी एक्टिविस्ट बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इन्हें सिखाया जाता है कि सदा सिंगल रहो, क्योंकि तुम्हारा जन्म तो बस दिल्ली के जंतर-मंतर या रास्तों पर धरने-प्रदर्शन करने के लिए हुआ है। यदि भारतीय समाज अब भी नहीं संभला, तो 90 के दशक में न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, लॉस एंजिल्स और शिकागो जैसे पश्चिमी महानगरों में जो सामाजिक त्रासदी आई थी, वह भारत के दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे शहरों में भी पैर पसार लेगी। पश्चिमी देशों में अत्यधिक उपभोक्तावाद और वैचारिक अतिवाद के कारण आज अकेलेपन का एक भयंकर मानसिक और स्वास्थ्य संकट खड़ा हो चुका है। वहां लोग अकेले कमरों में दम तोड़ देते हैं और हफ्तों तक किसी को पता नहीं चलता। यदि यही ढर्रा रहा, तो आज की जो आधुनिक पीढ़ी माता-पिता को छोड़कर अपनी स्वतंत्रता और आंदोलनों में व्यस्त है, जब वह खुद 55-60 वर्ष की होकर बूढ़ी होगी, तब उन्हें पानी पिलाने वाला भी कोई नहीं बचेगा। सबसे डरावनी हकीकत यह होगी कि जब ये बिना परिवार के, सिंगल रहकर दम तोड़ेंगे, तो इनकी अर्थी को कांधा देने वाला या इनका विधिवत अंतिम संस्कार करने वाला कोई सगा-संबंधी तक मौजूद नहीं होगा।

पैसा कमाना जीवन के लिए जरूरी है, लेकिन जिस पैसे की कीमत आपकी संतान की वैचारिक बलि देकर चुकानी पड़े, वह पैसा किस काम का? बड़े शहरों के कामकाजी दंपतियों को आज सजग होना होगा। अपने बच्चों के बैग्स, उनकी संगति, उनकी कॉलेज लाइफ और उनके विचारों पर पैनी नजर रखनी होगी। हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को सनातन संस्कारों, पारिवारिक उत्तरदायित्वों और नैतिक मूल्यों से जोड़कर रखना होगा, अन्यथा हमारा भविष्य घोर अंधकारमय हो जाएगा। इस संदेश को केवल एक लेख न समझें, बल्कि इसे अपने स्तर पर साझा करें, इस पर चर्चा करें और भारतीय परिवार व्यवस्था को बचाने के लिए एक महा-अभियान की शुरूआत करें। महानगरों के इस गंभीर संकट से निपटने और युवा पीढ़ी को वैचारिक भटकाव व नशे की लत से बचाने के लिए कुछ बेहद व्यावहारिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक उपायों को अपनाना आज समय की सबसे बड़ी मांग है। कामकाजी माता-पिता को हर दिन कम से कम एक घंटा बिना मोबाइल या लैपटॉप के बच्चों के साथ बिताना चाहिए। जब बच्चों को घर पर पर्याप्त भावनात्मक सहयोग मिलता है, तो वे बाहर भटकाव की तलाश नहीं करते। बच्चों के साथ एक दोस्त की तरह बात करें। यदि उनके स्कूल बैग से वेप या कोई संदिग्ध चीज मिलती है, तो सीधे मारपीट या अत्यधिक गुस्सा करने के बजाय, उसके पीछे के मनोवैज्ञानिक कारणों (जैसे पीयर प्रेशर या मानसिक तनाव) को समझें और पेशेवर काउंसलर की मदद लें। आज की पीढ़ी को केवल यह हमारी परंपरा है इसलिए मानो कहने से काम नहीं चलेगा। उन्हें हमारी संस्कृति, त्योहारों और पारिवारिक मूल्यों के पीछे के वैज्ञानिक, सामाजिक और तार्किक महत्व को समझाना होगा। बच्चों को छोटी उम्र से ही पैसों की अहमियत और पारिवारिक जिम्मेदारियों का अहसास कराएं। उन्हें केवल सुख-सुविधाएं देने के बजाय, घर के छोटे-मोटे फैसलों और कामों में शामिल करें ताकि उनमें उत्तरदायित्व की भावना जगे। पीयूष मिश्रा का जीवन और उनका वैचारिक यू टर्न (वैचारिक बदलाव) आज के युवाओं के लिए एक जीवंत केस स्टडी है। किसी भी राजनीतिक या सामाजिक विचारधारा के प्रति अंधभक्त या अतिवादी होना अंततः विनाशकारी साबित होता है। युवा पीढ़ी को यह समझना चाहिए कि समाज सुधार की शुरूआत घर से ही होती है। आप दुनिया बदलने का दावा तब तक नहीं कर सकते, जब तक आप अपने खुद के माता-पिता और परिवार को समय और सम्मान नहीं दे पा रहे हैं। वैचारिक क्रांतियाँ अक्सर तात्कालिक जोश देती हैं, लेकिन संकट के समय केवल परिवार ही साथ खड़ा होता है। युवाओं को यह परखना सीखना होगा कि जो लोग उन्हें परिवार का त्याग करने या सदा सिंगल रहकर सड़कों पर क्रांति करने के लिए उकसा रहे हैं, क्या वे खुद या उनके बच्चे भी वही जीवन जी रहे हैं?

स्कूल और कॉलेजों में केवल अकादमिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन कौशल, मानसिक स्वास्थ्य और नशामुक्ति से जुड़ी नियमित काउंसलिंग अनिवार्य होनी चाहिए। महानगरों की सोसाइटियों में बुजुर्गों और युवाओं के बीच संवाद बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए, जिससे एकाकीपन की भावना दूर हो सके। शहरीकरण, आधुनिकता और करियर की दौड़ को पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि यह समय की मांग है। लेकिन, इस दौड़ में अपनी जड़ों, संस्कृति और परिवार को खो देना सबसे बड़ी भूल होगी। आज के समाज को पश्चिमी देशों की अंधी नकल और पारंपरिक भारतीय मूल्यों के बिखराव के बीच एक मजबूत सेतु (पुल) बनाने की आवश्यकता है। घर को केवल एक लॉज या होटल न बनने दें जहां लोग सिर्फ सोने आते हैं। परिवार के साथ बैठकर भोजन करने, सुख-दुख साझा करने और त्योहारों को मिलकर मनाने की परंपरा को पुनर्जीवित करना होगा। बच्चों को महंगी वस्तुएं और पैसे देने से ज्यादा जरूरी उन्हें अपना समय और संस्कार देना है। बच्चों की संगति, उनके विचारों और उनकी बदलती आदतों पर बिना उन पर पाबंदी लगाए, एक दोस्त की तरह पैनी नजर रखनी होगी। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि किसी भी सामाजिक या राजनीतिक आंदोलन का हिस्सा बनने से पहले वे खुद से पूछें कि इसका वास्तविक उद्देश्य क्या है? क्या वे किसी के राजनैतिक प्रोपेगैंडा का टूल (औजार) तो नहीं बन रहे हैं? माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व की नींव हैं। आज की पीढ़ी को यह अहसास कराना होगा कि बुढ़ापे में माता-पिता की सेवा करना कोई अहसान नहीं, बल्कि उनका परम कर्तव्य और सौभाग्य है। बदलाव प्रकृति का नियम है और हर नई पीढ़ी अपने साथ नए विचार लेकर आती है। वैचारिक स्वतंत्रता और अधिकारों की बात करना गलत नहीं है, बशर्ते वह हमें हमारे अपनों से दूर न करे। यदि हम आज ही सचेत हो गए और अपने बच्चों को करियर के साथ-साथ संस्कारों का निवेश भी देने लगे, तो आने वाले 10 वर्षों में भारत का कोई भी परिवार बिखरने से बच जाएगा। भविष्य अंधकारमय होगा या प्रकाशमय, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आज हम अपने घरों में क्या बीज बो रहे हैं?

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7583

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7582 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

दैनिक पंचांग

25 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शनिवार 2026 वर्ष का 206 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 11.35 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा अहोरात्र।
योग ब्रह्म 21.09 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 11.35 बजे तदनन्तर बव 00.47 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 10.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872781
जूलियन दिन 2461246.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर
तारीख 10
विशेष गौरी व्रत, देवशयनी एकादशी।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.11 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	09.23 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.34 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.49 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	16.05 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	18.10 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.56 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.29 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	23.00 बजे से
राहुकाल		वृष	00.40 बजे से
9.00 से 10.30		मिथुन	02.38 बजे से
बजे तक		कर्क	04.51 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

एक देह का विदा होना, कई घरों में सूर्योदय बन सकता है

जीवन का सबसे कठिन संघर्ष अक्सर अस्पताल की चारदीवारी के भीतर लिखा जाता है, जहाँ हर साँस उम्मीद और समय के बीच अंतिम संवाद बन जाती है। कहीं माँ की प्रार्थनाएँ बेटे की धड़कनों का सहारा हैं, कहीं पिता की आँखें बेटी के लिए एक अंग की प्रतीक्षा में हैं, तो कहीं एक मासूम अनजान है कि उसका कल किसी अजनबी के निर्णय पर टिका है। विज्ञान ने एक देह से कई जीवनों को फिर धड़काने की शक्ति पा ली है, लेकिन संवेदनहीन व्यवस्था सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। इसलिए भारत में अंगदान केवल चिकित्सा नहीं, हमारी सामूहिक मानवता की परीक्षा है। जब तक यह संवेदना सशक्त नीतियों में नहीं उतरती, तब तक प्रतीक्षा सूची का हर नाम किसी मरीज का नहीं, बल्कि अधूरी ज़िंदगी की मौन पुकार बना रहेगा।संवेदनशील समाज केवल उपदेश नहीं देता, बल्कि करुणा को व्यवस्था का आधार बनाता है। अमेरिका के मिशिगन राज्य ने इसे कानून का रूप दिया है। वहाँ जीवित अंगदाता बनने वाले कर्मचारी के लिए नियोक्ता को 12 सप्ताह के वेतन के बराबर टैक्स क्रेडिट मिलता है। यह केवल आर्थिक प्रोत्साहन नहीं, बल्कि जीवन बचाने के निर्णय का सम्मान है। इससे कर्मचारी को न नौकरी खोने का डर रहता है, न आय घटने की चिंता, और नियोक्ता भी बिना अतिरिक्त बोझ के उसका साथ दे सकता है। भारत में निजी क्षेत्र के अनेक कर्मचारी इच्छा होने पर भी आर्थिक असुरक्षा के कारण अंगदान का साहस नहीं जुटा पाते। ऐसे में यह मॉडल संवेदना और व्यवस्था का प्रभावी उदाहरण बन सकता है।

भारत की सबसे बड़ी कमी अंगदान की इच्छा नहीं, बल्कि उसे संभव बनाने वाली व्यवस्था है। अधिकांश प्रत्यारोपण आज भी जीवित रिश्तेदारों के दान पर निर्भर हैं, जबकि मृतक अंगदान की दर प्रति मिलियन आबादी पर एक से भी कम है। हर वर्ष लगभग 1.6 लाख सड़क दुर्घटना मौतों के बावजूद केवल 1,000झ1,200 मृतक अंगदान हो पाते हैं। इसके विपरीत, स्पेन ने यह दर 48 प्रति मिलियन तक पहुँचा दी है। नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (नॉटो) के अनुसार 2025 में लगभग 20 हजार प्रत्यारोपण हुए, जबकि आवश्यकता इससे कहीं अधिक है। हर वर्ष लाखों लोग अंगों की प्रतीक्षा में दम तोड़ देते हैं। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि अंगदान को राष्ट्रीय सामाजिक संपदा न मानने वाली नीतिगत सोच का परिणाम है। जहाँ लोग अंगों के अभाव में मरें, वहाँ संकट संसाधनों का नहीं, दृष्टिकोण का होता है।

किसी अनजान को जीवन देने का साहस तभी जन्म लेता है, जब व्यवस्था सुरक्षा का विश्वास दे। भारत में अंगदान की सबसे बड़ी बाधा चिकित्सा नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक असुरक्षा है। परिवार की हिचक, उपचार का खर्च, लंबी रिकवरी और नौकरी का भय लोगों को पीछे हटा देता है। मिशिगन मॉडल इसी समस्या का समाधान देता है। यदि भारत में भी कंपनियों को कर प्रोत्साहन मिले, तो वे कर्मचारियों को सवेतन अवकाश दे सकेंगी। आज 82 हजार से अधिक लोग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में हैं, जबकि एक मृतक अंगदाता आठ से दस जीवन बचा सकता है। कई बार एक संवेदनशील नीति, हजारों अपीलों से अधिक जीवन बचा देती है।

यदि भारत इस दिशा में निर्णायक पहल करे, तो उसका प्रभाव केवल प्रत्यारोपण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कॉर्पोरेट उत्तरदायित्व की परिभाषा भी बदलेगी। अस्पताल बनाना और उपकरण दान करना महत्वपूर्ण है, पर अब अपने कर्मचारियों की जीवनदायी संवेदना को संरक्षण देना भी आवश्यक है। मिशिगन की तर्ज पर कर प्रोत्साहन मिलने पर कंपनियाँ सवेतन अवकाश के साथ उपचार, रिकवरी और पुनर्वास में सहयोग दे सकेंगी।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

ईरान का दावा- कुवैत में अमेरिकी एयर बेस पर किया ड्रोन हमला

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने कुवैत में अमेरिका द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अली अल सलेम एयर बेस पर उन्नत "सुपर-हेवी" अटैक ड्रोन से हमला किया है। आईआरजीसी के अनुसार इस हमले में एयर बेस पर मौजूद गोला-बारूद के बड़े भंडार को निशाना बनाया गया, जिससे लगातार कई विस्फोट हुए और सैन्य प्रतिष्ठान को भारी नुकसान पहुंचा। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के अनुसार आईआरजीसी ने अपने बयान में कहा कि ड्रोन हमले के दौरान गोला-बारूद के डिपो के अलावा सैनिकों के रहने के लिए बनाए गए छह हैंगर भी पूरी तरह नष्ट हो गए, जबकि तीन अन्य हैंगर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुए। हमले में बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं। हालांकि, अमेरिका और कुवैत की ओर से इस दावे की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। दोनों देशों ने हमले, संभावित नुकसान या किसी भी प्रकार के हताहत होने को लेकर तत्काल कोई बयान जारी नहीं किया है। यह दावा ईरानी सेना के उस पहले के बयान के बाद सामने आया है, जिसमें कहा गया था कि अराश अटैक ड्रोन के जरिए कुवैत स्थित कैंप उदैरी, आरिफजान कैंप और दोहा कैंप में अमेरिकी सैन्य ठिकानों तथा सैन्य उपकरणों के गोदामों को निशाना बनाया गया था। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य गतिविधियां लगातार तेज होती दिखाई दे रही हैं। यदि इन दावों की पुष्टि होती है, तो यह क्षेत्रीय सुरक्षा और अमेरिका-ईरान संबंधों पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोनों देशों की आधिकारिक प्रतिक्रिया और स्वतंत्र पुष्टि का इंतजार कर रहा है।

पश्चिम एशिया में हालात नियंत्रण से बाहर होने की कगार पर : संयुक्त राष्ट्र महासचिव

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ते सुरक्षा हालात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि पूरा क्षेत्र ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिखाई दे रही है। उन्होंने सभी पक्षों से तत्काल तनाव कम करने और कूटनीतिक समाधान की दिशा में कदम उठाने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि मध्य पूर्व का संकट "अकल्पनीय स्थिति" की ओर बढ़ रहा है। उनके अनुसार, क्षेत्र लगातार व्यापक टकराव के दायरे में खिंचता जा रहा है, जहां एक संकट दूसरे संकट को जन्म दे रहा है और हर नई सैन्य कार्रवाई तनाव को और बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि बढ़ते संघर्ष के बीच राजनीतिक समाधान पीछे छूटते जा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि उनका प्रशासन ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान पर विचार कर रहा है। ट्रंप ने कहा कि वह इस संबंध में जल्द फैसला ले सकते हैं। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन की ओर से अभी तक किसी सैन्य कार्रवाई की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। क्षेत्र में संभावित तनाव बढ़ने की आशंका के बीच ब्रिटेन ने एहतियातन ईरान से अपने कुछ राजनयिक कर्मचारियों को अस्थायी रूप से वापस बुलाने की घोषणा की है। वहीं, जर्मनी ने लाल सागर से अपने दो नौसैनिक पोत हटाने का निर्णय लिया है। उधर, इजराइल के कई शहरों में बम आश्रयों (बंकरों) को खोल दिया गया है, जबकि अमेरिकी विदेश विभाग ने क्षेत्र में रह रहे अमेरिकी नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग ने चेतावनी दी है कि सुरक्षा स्थिति बिगड़ने की स्थिति में हवाई उड़ानों पर भी असर पड़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने एक बार फिर सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और संवाद के माध्यम से विवादों का समाधान खोजने की अपील की है, ताकि क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की आशंका को टाला जा सके।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर नकली टिकटों के साथ दो नेपाली नागरिक गिरफ्तार, दुबई जाने की थी योजना

हैदराबाद। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर शुक्रवार को इमीग्रेशन और एयरलाइंस अधिकारियों ने दुबई जाने की तैयारी कर रहे दो नेपाली नागरिकों को फर्जी हवाई टिकट के साथ हिरासत में लिया। प्रारंभिक जांच में दोनों के टिकट नकली पाए गए, जिसके बाद उन्हें शमशाबाद पुलिस के हवाले कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार दोनों नेपाली नागरिक दुबई जाने वाली उड़ान से यात्रा करने के लिए राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे थे। बोर्डिंग प्रक्रिया से पहले एयरलाइंस और इमीग्रेशन अधिकारियों ने उनके यात्रा दस्तावेजों और टिकटों की नियमित जांच की। इसी दौरान टिकटों में कुछ संदिग्ध विसंगतियां दिखाई देने पर उनकी गहन जांच की गई। जांच में दोनों यात्रियों के हवाई टिकट फर्जी पाए गए। इसके बाद अधिकारियों ने तत्काल दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की और आगे की कार्रवाई के लिए शमशाबाद पुलिस को सौंप दिया। पुलिस और संबंधित एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि दोनों यात्रियों को नकली टिकट किसने उपलब्ध कराए। जांच एजेंसियों को आशंका है कि इस मामले के पीछे किसी ट्रैवल एजेंट या फर्जी टिकट तैयार करने वाले संगठित गिरोह का हाथ हो सकता है। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की विभिन्न कोणों से जांच की जा रही है। शमशाबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही टिकटों के स्रोत और संभावित नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

बिजली बिल नहीं चुकाने पर छत्तीसगढ़ के 10 हजार सरकारी कनेक्शन काटे गए

थारायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकारी विभागों के बढ़ते बिजली बिल बकाये को देखते हुए बिजली कंपनी ने सख्त कदम उठाते हुए 10 हजार से अधिक सरकारी बिजली कनेक्शनों को स्थायी रूप से काट दिए हैं। इसके अलावा, 1 अगस्त से सभी सरकारी कार्यालयों में प्री-पेड बिजली व्यवस्था लागू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। । इन कनेक्शनों पर करीब 51 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया था। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी ने अपने वित्तीय प्रबंधन और बढ़ते घाटे को देखते हुए इन 10,000 सरकारी बिजली कनेक्शनों को काटने की सूची और आंकड़े जारी किए हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में ही संपन्न हुए विधानसभा के मानसून सत्र में खुद राज्य सरकार ने माना था कि विभिन्न विभागों पर 3,117 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है।

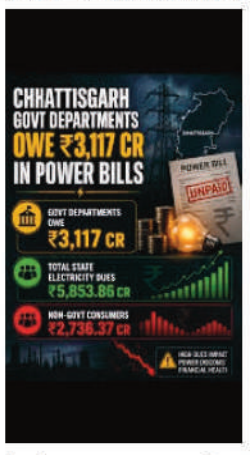

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार, प्रदेश के 40 सरकारी विभागों पर कुल 3,432 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारी होने से बिजली कंपनियों के वित्तीय प्रबंधन पर लगातार दबाव बना हुआ है।अधिकारियों ने बताया है कि भुगतान के लिए संबंधित विभागों को कई बार नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन समय पर राशि जमा नहीं होने के कारण स्थायी रूप से कनेक्शन काट दिए गए । जिन सरकारी कनेक्शनों का भविष्य में दोबारा उपयोग किया जाएगा, उन्हें पुनः चालू कराने से पहले पूरा बकाया जमा करना अनिवार्य होगा। वहीं जिन परिसरों में बिजली आपूर्ति अभी भी जारी है, वहां ड्यूज रिकवरी एक्ट के तहत बकाया राशि को किस्तों अथवा नियमित बिजली बिलों में समायोजित कर वसूला जाएगा। यह कार्रवाई अंबिकापुर, दुर्ग, बिलासपुर, रायपुर, जगदलपुर, महासमुंद, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर और राजनांदगांव सहित अन्य सर्कलों में बड़ी संख्या में की गई है । रायपुर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर बड़े स्टार पर कनेक्शन काटे गए हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न हुए मानसून सत्र में छत्तीसगढ़ विधानसभा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रस्तुत आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कुल 3,117.49 करोड़ रुपये के सरकारी बकाये में से लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ दो प्रमुख विभागों का है। सर्वाधिक बकाया वाले शीर्ष विभाग नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग है। इस विभाग पर सबसे बड़ा 1,525.18 करोड़ रुपये का बकाया है। इसमें निकायों के वॉटर फिल्टर प्लांट, स्ट्रीट लाइट और कार्यालयों के बिल शामिल हैं।

ग्रामीणों-पुलिस के बीच हिंसक झड़प 24 से अधिक पुलिसकर्मी घायल

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के मदन नगर कोल माइंस में भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई के दौरान शुक्रवार सुबह भारी विरोध के बीच ग्रामीणों और पुलिस बल के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में एक डीएसपी समेत 24 से अधिक पुलिसकर्मी और अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। सूचना मिलने के बाद सूरजपुर एएसपी मौके पर पहुंचे और आसपास के पांच जिलों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है। पुलिस प्रशासन के अनुसार, शुक्रवार सुबह भारी पुलिस बल और राजस्व विभाग की टीम मदन नगर में एसईसीएल के नए खदान के लिए अधिग्रहित की गई जमीन पर कब्जा लेने और प्रक्रिया पूरी करने पहुंची थी। अधिग्रहित जमीन पर कब्जा करने की कार्रवाई का ग्रामीणों ने पुरजोर विरोध किया। ग्रामीणों ने संवाद करने के बजाय उन पर अचानक अचानक लाठी, डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया।

अचानक हुए इस हमले से पुलिस बल में अफरा-तफरी मच गई। जान बचाकर भागने के दौरान मची भगदड़ में कई पुलिसकर्मी जमीन

पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। कई जवानों के सिर फटने और गंभीर चोटें आने की सूचना है। डीएसपी राजेश जोशी सहित 24 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की करीब 5 बसों और कई अन्य प्रशासनिक वाहनों की खिड़कियां तोड़ दीं और उन्हें नुकसान पहुंचाया। वहीं, ग्रामीणों का आरोप है कि वे पहले से ही इस भूमि अधिग्रहण का विरोध कर रहे थे। ज्ञात हो कि, मदननगर में माइंस के लिए सर्वे के लिए कुछ दिन पहले पहुंचे एसईसीएल के कर्मियों से भी ग्रामीणों की झड़प हुई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। घटना के बाद इलाके में स्थिति बेहद तनावपूर्ण बनी हुई है। एहतियात के तौर पर धरमपुर और आसपास के क्षेत्रों में भारी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि राजस्व विभाग और सुरक्षा बल की टीम पूरी तरह से वैधानिक और कानूनी प्रक्रिया के तहत अधिग्रहित जमीन पर कब्जा लेने और सीमांकन की कार्रवाई पूरी करने गांव पहुंची थी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी काम में बाधा डालने, पुलिस बल पर जानलेवा हमला करने और सरकारी वाहनों (बसों) को नुकसान पहुंचाने वाले उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। उनके खिलाफ सख्त कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, ग्रामीणों का आरोप है कि एसईसीएल द्वारा दी जा रही मुआवजे की दर असिंचित के लिए 8 लाख रुपये प्रति एकड़ और सिंचित के लिए 10 लाख रुपये प्रति एकड़ लगभग 12 साल पुरानी है, जो आज के समय के हिसाब से बहुत कम है । कई ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने मुआवजा नहीं उठाया है और प्रशासन संवाद स्थापित करने के बजाय भारी पुलिस बल के साथ जबरन उनकी खेती की जमीनों पर कब्जा करने पहुंच गया, जिससे उनमें आक्रोश भड़क गया।

'डिजिटल अरेस्ट' मामला: पीड़िता को 5.18 लाख रुपये लौटाने का बैंक को आदेश

एजेंसी, नागपुर

देशभर में बढ़ रहे 'डिजिटल अरेस्ट' साइबर ठगी के मामलों के बीच नागपुर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। आयोग ने धमकी, भय और मानसिक दबाव के कारण ग्राहक से ठगी गई राशि लौटाने का आदेश संबंधित बैंक को दिया है। आयोग ने बैंक की सेवा में कमी और लापरवाही मानते हुए शिकायतकर्ता महिला को 5,18,437 रुपये 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने के निर्देश दिए हैं। आयोग के समक्ष प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता महिला को 8 जनवरी 2023 को एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने स्वयं को फेडेक्स कंज्यूमर सर्विस का अधिकारी बताया। उसने कहा कि महिला के नाम से एक अंतरराष्ट्रीय पार्सल भेजा गया है, जिसमें दो पासपोर्ट, पांच एटीएम कार्ड, 300 ग्राम गांजा और एक लैपटॉप मिला है। महिला द्वारा ऐसा कोई पार्सल न भेजने की बात कहने पर उसे मुंबई पुलिस से बात कराने के नाम पर जोड़ा गया।

ठगों ने महिला की पहचान का दुरुपयोग कर गंभीर अपराध में फंसने और गिरफ्तारी का भय दिखाया।

- नागपुर ग्राहक आयोग का ऐतिहासिक फैसला, बैंक की लापरवाही पर कड़ी टिप्पणी

मानसिक दबाव बनाकर कथित जांच और प्रक्रिया शुल्क के नाम पर एक ही दिन में उससे 95,499 रुपये, 3,07,939.50 रुपये, 1.90 लाख रुपये और 99,999 रुपये सहित कुल 6,93,437.50 रुपये विभिन्न बैंक खातों में जमा करा लिए।

ठगी का अहसास होने पर महिला ने तत्काल बैंक से संपर्क किया और राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शुरुआत में बैंक ने महिला को अस्थायी 'शैडो क्रेडिट' प्रदान किया, लेकिन बाद में यह कहते हुए राशि वापस ले ली कि सभी लेनदेन ओटीपी के माध्यम से ग्राहक की सहमति से हुए थे तथा प्रत्येक ट्रांजैक्शन का एसएमएस उसके मोबाइल पर भेजा गया था।

तीन समर्पित रासायनिक पार्क स्थापित करने की भव्य-रसायन योजना को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश में तीन समर्पित रासायनिक पार्क स्थापित करने के लिए भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य-रसायन योजना) को मंजूरी दी है। इस योजना की घोषणा वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में की गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश में तीन समर्पित रासायनिक पार्क स्थापित करने को आज मंजूरी दी गई। इसके लिए कुल 3,030 करोड़ रुपये का वित्तीय आवंटन किया जाएगा। इसमें से 3,000 करोड़ रुपये पार्क की भीतरी अवसंरचना सुविधाओं और बुनियादी उपयोगिताओं की स्थापना की लागत को पूरा करने और 30 करोड़ रुपये प्रशासनिक व्यय के रूप में आवंटित किए जाएंगे।

यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच वर्षों की अवधि के लिए लागू रहेगी।

सरकार उक्त योजना के तहत प्रत्येक पार्क के लिए संबंधित राज्य सरकार की ओर से न्यूनतम 500 करोड़ रुपये का योगदान करने के बाद 1,000 करोड़ रुपये तक का अनुदान प्रदान करेगी ।

केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने शुक्रवार को फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि भव्य रसायन योजना से देश में रसायन उद्योग की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूती मिलने की उम्मीद है। यह योजना साझा बुनियादी ढांचे और आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से उत्पादन लागत तथा माल ढुलाई खर्च कम करेगी, जिससे भारतीय उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। इसके साथ ही निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता घटेगी।

पेपर लीक मामले में सिंधिया बोले, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

एजेंसी, ग्वालियर

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पेपर लीक के विरोध में चल रहे छात्र आंदोलन पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने शुक्रवार को ग्वालियर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं और उनकी मेहनत के साथ किसी भी तरह का अन्याय स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसे ही अनियमितताओं की जानकारी सामने आई, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई शुरू की गई। सरकार इस पूरे मामले में दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि समाज, क्षेत्र और देश का नाम रोशन करने के लिए मेहनत करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश स्पष्ट है कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खेलने वालों पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। सिंधिया ने बताया कि इस मामले में कैबिनेट में एक विधेयक लाया जा रहा है,

जिसके तहत फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। इससे पेपर लीक जैसे मामलों की शीघ्र सुनवाई होगी और दोषियों को जल्द सजा दिलाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है और परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया शुक्रवार को मध्य प्रदेश के चुनावी दौरे पर हैं। वे दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। दतिया रवाना होने से पहले उन्होंने ग्वालियर में मीडिया से बातचीत करते हुए दतिया विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव विकास का चुनाव है और केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन सरकार दतिया के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी भारी बहुमत से चुनाव जीतेंगे।

सिंधिया ने दतिया पहुंचकर पीतांबरा पीठ में पूजन और वनखंडेश्वर महादेव में किया जलाभिषेक: इसके बाद केंद्रीय मंत्री सिंधिया ग्वालियर से सड़क मार्ग के जरिए दतिया पहुंचे। दौरे की शुरुआत उन्होंने पीतांबरा पीठ में मां बगलामुखी के दर्शन और पूजा-अर्चना से की। यहां उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। पीतांबरा पीठ के बाद केंद्रीय मंत्री वनखंडेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान शिव का जलाभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केंद्रीय मंत्री इसके बाद बड़ौनी के लिए रवाना होंगे, जहां वह भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। सिंधिया के दौरे को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा। विभिन्न स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

पुलिस कार्रवाई में घायल युवक को सामने लाए राहुल गांधी, बोले- सरकार अत्याचार की जिम्मेदारी ले

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पिछले दिनों जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्र शाहिद को शुक्रवार को सोनिया गांधी के आवास पर मीडिया के सामने लेकर आए। राहुल ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान छात्र पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया, जिससे उसकी एक आंख गंभीर रूप से जख्मी हो गई। सरकार छात्रों पर हुए अत्याचार की जिम्मेदारी ले, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों से माफी मांगें।

राहुल गांधी ने पत्रकारों से कहा कि सरकार दावा कर रही है कि प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन का इस्तेमाल नहीं हुआ, लेकिन घायल युवक इसकी सच्चाई का सबूत है। उन्होंने युवक की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह तिरंगा लेकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहा था, तभी उस पर पैलेट गन चलाई गई। युवक की आंख बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है और अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि उसकी दृष्टि

वापस आ पाएगी या नहीं।

उन्होंने कहा कि हजारों युवाओं पर लाठीचार्ज किया गया और पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया, जबकि वे केवल अपने भविष्य और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग कर रहे थे। जिन युवाओं ने पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए वर्षों मेहनत की, उन्हें बाद में बताया गया कि प्रश्नपत्र लीक हो गया। जिनके पास लाखों रुपये थे, वे प्रश्नपत्र खरीद सके, जबकि बाकी अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हुआ।

राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों के माता-पिता ने अपनी मेहनत की कमाई से उन्हें पढ़ाया और भविष्य बनाने का अवसर दिया, लेकिन सरकार ने युवाओं के भविष्य पर हमला किया है। छात्र केवल तीन मांगें कर रहे हैं, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए क्योंकि वे पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था की मौजूदा स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। प्रदर्शनकारियों पर कथित पैलेट गन चलाने और लाठीचार्ज करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घटना के लिए छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों को डराना-धमकाना बंद किया जाना चाहिए और उनकी जायज मांगों को स्वीकार किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है, जबकि छात्र केवल निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था और अपने भविष्य की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

मप्र में फिर गरमाया भोजशाला विवाद, चालीसपीर दरगाह पर नहीं हुई जुमे की नमाज

एजेंसी, धार

मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर गरमा गया है। यहां शुक्रवार को प्रशासन द्वारा निर्धारित मालीवाड़ा में चालीसपीर दरगाह के पास जुमे की नमाज अदा नहीं की गई। मुस्लिम पक्ष नमाज के लिए भोजशाला के पास वाली जगह देने की मांग पर उड़ा हुआ है।

उच्चतम न्यायालय ने बीती 14 जुलाई को मुस्लिम पक्ष को जुमे की नमाज के लिए भोजशाला के पास जगह उपलब्ध कराने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए थे। न्यायालय ने कहा था कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए वैकल्पिक स्थान मुहैया कराया जाए। इसके बाद जिला प्रशासन ने मालीवाड़ा गांव में चालीसपीर दरगाह के पास नमाज की जगह निर्धारित

- मुस्लिम पक्ष भोजशाला के पास वाली जगह के लिए अड़ा, शहर में 350 सुरक्षाकर्मी तैनात

की थी लेकिन मुस्लिम समुदाय ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

इसी को लेकर गुरुवार देर रात जिला प्रशासन और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच करीब दो घंटे तक चली बैठक में अन्य संभावित स्थानों का प्रस्ताव रखा गया लेकिन नमाज के वैकल्पिक स्थान को लेकर सहमति नहीं बन पाई।

छत्तीसगढ़ में 7,854 करोड़ की नई दोहरी रेल लाइन परियोजना को मिलेगी रफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली/रायपुर

छत्तीसगढ़ में रेल संपर्क और माल परिवहन को मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार ने खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई दोहरी रेल लाइन परियोजना को मंजूरी दी है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज शुक्रवार को राज्यसभा में लिखित उत्तर में बताया कि अप्रैल 2025 में 278 किलोमीटर लंबी इस परियोजना को 7,854 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से स्वीकृति दी गई थी।

यह रेल लाइन बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग जैसे व्यस्त रेल सेक्शनों को बाईपास करेगी, जिससे मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों की आवाजाही तेज और सुगम होगी। परियोजना छत्तीसगढ़ के आठ जिलों से होकर गुजरेगी और विशेष रूप से बलौदाबाजार जिले को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। साथ ही खरसिया, जो महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के कोयला

क्षेत्रों का प्रमुख रेल प्रवेश द्वार है, वहां से माल परिवहन को भी नई गति मिलेगी।

परियोजना को 'विशेष रेलवे परियोजना' घोषित किया गया है। इसके लिए लगभग 1,852 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होगी और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से जारी है। रेल मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2026-27 में छत्तीसगढ़ के लिए रेलवे का बजट बढ़कर लगभग 7,470 करोड़ रुपये हो गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक आवंटन से लगभग 24 गुना अधिक है। वर्ष 2014 से 2026 के बीच राज्य में 1,311 किलोमीटर नई रेल पटरियां चालू की गई हैं।

पेपर लीक पर प्रधानमंत्री का बयान देर से आया, छात्रों का सरकार से भरोसा उठ चुका : जयराम रमेश

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में दो महीने तक चुप रहने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि भारी जनाक्रोश के बाद सरकार को आखिरकार प्रश्नपत्र लीक की सच्चाई स्वीकार करनी पड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने लगातार छात्रों के हितों से ऊपर अपने राजनीतिक हितों को रखा, कमजोर जांच कराई और जवाबदेही से बचती रही। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाने, छात्रों पर हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और छात्रों से माफी मांगने की मांग की।

जयराम रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री ने लगभग दो महीने की चुप्पी के बाद देर रात वीडियो संदेश जारी कर प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने दावा किया कि सरकार लंबे समय तक यह मानने से इनकार करती रही कि नीट-यूजी 2026 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हुआ था। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

ने अपनी प्रेसवार्ता में जानबूझकर लीक शब्द का इस्तेमाल नहीं किया और शिक्षा मंत्रालय ने संसद की शिक्षा संबंधी स्थायी समिति के समक्ष भी आधिकारिक रूप से कहा कि कोई प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जनता के भारी दबाव के कारण प्रधानमंत्री को अंततः सच्चाई स्वीकार करनी पड़ी, लेकिन सरकार के रवैये के कारण छात्रों का उस पर से विश्वास पूरी तरह उठ चुका है।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2024 की नीट-यूजी परीक्षा में कुछ परीक्षा केंद्रों पर संदिग्ध रूप से बड़ी संख्या में टॉपर्स सामने आने के बावजूद सरकार ने व्यापक अनियमितताओं के प्रमाणों को दबाया। बाद में सरकार ने यह स्वीकार किया कि हजारीबाग में चयनात्मक प्रश्नपत्र लीक हुआ था, लेकिन दोषियों को अब तक सजा नहीं दिला सकी। जयराम रमेश ने कहा कि पहले जिस संजीव मुखिया को प्रश्नपत्र लीक का सरगना बताया गया, अब उसी को निर्दोष बताया जा रहा है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 2024 की रद्द की गई विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) मामले में यह कहते हुए समापन रिपोर्ट दाखिल कर दी कि कोई प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ था, लेकिन इसके कारणों का आज तक खुलासा नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि यह संकट सीबीआई की कमजोर जांच और सरकार के नेतृत्व की विफलता का भी नतीजा है। जयराम रमेश ने कहा कि इस पूरे प्रकरण में समाधान की दिशा में पहला कदम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाना, छात्रों पर हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना और छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगना है।

25-07-2026 T.P. Page 8_Layout 1 25-07-2026 08:58 Page 1

कब से शुरू हो रहा चातुर्मास? कैसे हुई इसकी शुरुआत

चातुर्मास का आरंभ आषाढ़ शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी से होता है. इस साल देवशयनी एकादशी का व्रत 25 जुलाई को रखा जाएगा. इसी दिन से भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाएंगे और चातुर्मास की शुरुआत मानी जाएगी.

हिंदू धर्म में भगवान शिव का प्रिय सावन मास जल्द ही शुरू होने वाला है. सावन माह के शुरू होने से पहले आषाढ़ मास की, जो अंतिम एकादशी आती है, वह विशेष महत्व रखती है क्योंकि इस दिन से चातुर्मास की शुरुआत हो जाती है. इस साल इसकी शुरुआत 25 जुलाई से होगी. चातुर्मास के पीछे की कहानी क्या है. देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी के बीच मांगलिक कार्य क्यों नहीं किए जाते. चार्तुमास ही इसे क्यों कहा गया, आइए उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते हैं.

वैदिक पंचांग के अनुसार, चातुर्मास की शुरुआत आषाढ़ शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी से होती है. साल 2026 में देवशयनी एकादशी का व्रत 25 जुलाई, दिन शनिवार को रखा जाएगा. इसी दिन से भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाएंगे और चातुर्मास का आरंभ माना जाएगा. चातुर्मास का समापन कार्तिक शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी पर होगा. इस साल देवउठनी एकादशी 20 नवंबर 2026 को पड़ेगी, यानी 25 जुलाई से 20 नवंबर 2026 तक चातुर्मास रहेगा.

क्यों खास है चातुर्मास?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चातुर्मास के दौरान कई महत्वपूर्ण ग्रहों की स्थिति भी बदलती है. इस अवधि में सुख, वैवाहिक जीवन और समृद्धि के कारक शुक्र ग्रह और ज्ञान, धर्म और शुभता के कारक बृहस्पति ग्रह अस्त अवस्था में रहते हैं. इन ग्रहों के प्रभाव के कारण भी विवाह और बाकी शुभ कार्यों से परहेज करने की सलाह दी जाती है.

भगवान के कष्ट को दूर करने के लिए बनी चातुर्मास योजना

ज्योतिष आचार्य आनंद बताते हैं कि चार महीनों में आने वाले अलग-अलग पर्व में शास्त्रों के अनुसार भगवान विष्णु राजा बलि के यहां द्वारपाल बनकर कष्ट में होते हैं. उन्हीं के कष्ट को दूर करने के लिए माता लक्ष्मी की बनाई यह चातुर्मास योजना की है, जिसमें लोग मांगलिक कार्य छोड़ धार्मिक कार्यों में जुटें, जैसे- दान, पुण्य, तप कथा, भजन, अनुष्ठान, आत्म सुधार, आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ भगवान के कष्ट को हरें और भगवान जल्द बैकुंठ की और लौटें.

देवशयनी एकादशी पर कैसे कराएं भगवान विष्णु का शयन?

पूजा विधि, नियम और सावधानियां

देवशयनी एकादशी का व्रत आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है. देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु योग निद्रा में 4 माह के लिए चले जाते हैं. तब से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है, जो चार माह तक रहता है. चातुर्मास में सभी देव सो जाते हैं और सृष्टि का संचालन भगवान शिव के हाथों में आ जाता है. देवशयनी एकादशी पर व्रत रखकर भगवान विष्णु की विधि विधान से पूजा करते हैं. उनकी कृपा से मोक्ष की प्राप्ति होती है, पाप नष्ट होते हैं.

आषाढ़ शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी कहा जाता है। पद्म पुराण, स्कंद पुराण और भविष्य पुराण के अनुसार इसी दिन भगवान श्रीहरि विष्णु क्षीरसागर में शेषनाग की शैया पर योगनिद्रा में प्रवेश करते हैं। इसी के साथ चातुर्मास का आरंभ होता है, जो कार्तिक शुक्ल एकादशी (देवउठनी एकादशी) तक चलता है। इस दिन अनेक भक्त भगवान विष्णु की विशेष पूजा कर उन्हें प्रतीकात्मक रूप से शयन कराते हैं। यह केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि भगवान के प्रति प्रेम, समर्पण और सेवा का भाव व्यक्त करने का माध्यम है।

भगवान को कैसे कराएं शयन

शास्त्रीय परंपरा के अनुसार प्रातः स्नान के बाद पूजा स्थल को स्वच्छ कर भगवान विष्णु या श्रीलक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा अथवा चित्र स्थापित करें। पंचामृत एवं गंगाजल से अभिषेक करने के बाद पीले वस्त्र अर्पित करें। चंदन का तिलक लगाएं, तुलसी दल, पीले पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य और मौसमी फल अर्पित करें। इसके बाद भगवान को खीर या दूध से बनी मिठाई का भोग लगाएं। पूजन के अंत में भगवान के समक्ष एक स्वच्छ पीला या सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर छोटा तकिया या गद्दी प्रतीक रूप में रखें। भगवान से प्रार्थना करें कि वे चार माह के लिए योगनिद्रा में विराजमान हों और समस्त सृष्टि पर अपनी कृपा बनाए रखें। इस अवसर पर ॐ नमो नारायणाय अथवा विष्णु सहस्रनाम का पाठ करना अत्यंत शुभ माना गया है।

इन नियमों का रखें विशेष ध्यान

देवशयनी एकादशी के दिन सात्विकता का विशेष महत्व बताया गया है। व्रत रखने वाले को क्रोध, असत्य, कटु वचन और तामसिक भोजन से दूर रहना चाहिए। पूजा में भगवान विष्णु को तुलसी दल अवश्य अर्पित करें, क्योंकि शास्त्रों में तुलसी के बिना विष्णु पूजन को अपूर्ण माना गया है। यथाशक्ति दान, जप और रात्रि जागरण भी पुण्यदायी बताए गए हैं।

ये सावधानियां भी हैं आवश्यक

शास्त्रों के अनुसार भगवान को शयन कराने की परंपरा श्रद्धा और भाव से की जाती है, इसलिए इसे केवल दिखावे या औपचारिकता न बनाएं। भगवान को अर्पित तुलसी दल खंडित या बासी न हो। पूजा में अपवित्र या फटे वस्त्र धारण करने से बचें। एकादशी के दिन चावल का सेवन वर्जित माना गया है तथा तामसिक पदार्थों से भी दूर रहने की सलाह दी गई है। पूजा के समय मन को शांत रखें और अनावश्यक विवाद या क्रोध से बचें।

शयन का आध्यात्मिक संदेश

पुराणों में वर्णित भगवान विष्णु की योगनिद्रा का अर्थ सामान्य निद्रा नहीं, बल्कि सृष्टि के संतुलन और संरक्षण की दिव्य अवस्था है। इसलिए देवशयनी एकादशी पर भगवान को शयन कराते समय भक्त यह प्रार्थना करते हैं कि श्रीहरि की कृपा से उनके जीवन में धर्म, सुख, समृद्धि और मंगल बना रहे। श्रद्धा, शुद्धता और विधिपूर्वक की गई यह पूजा चातुर्मास के चार महीनों को आध्यात्मिक साधना और भगवान की भक्ति के लिए शुभ आरंभ प्रदान करती है।

कब है देवशयनी एकादशी? तिथि, शुभ मुहूर्त और पारण का सही समय

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी (इसे आषाढ़ी एकादशी या हरिशयनी एकादशी भी कहते हैं) कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन से भगवान श्री हरि विष्णु क्षीरसागर में चार महीनों के लिए योगनिद्रा में चले जाते हैं और इसी दिन से चातुर्मास का प्रारंभ हो जाता है।

एकादशी तिथि (उदयातिथि): शनिवार, 25 जुलाई
एकादशी प्रारंभ: 24 जुलाई को सुबह 09:12 बजे से
एकादशी समाप्त: 25 जुलाई सुबह 11:34 बजे तक
पारण (व्रत खोलने) का शुभ समय : एकादशी व्रत का पारण हमेशा द्वादशी तिथि के दिन सुबह सूर्योदय के बाद किया जाता है।
पारण की तिथि: रविवार, 26 जुलाई
शुभ पारण समय: सुबह 6:13 बजे से 8:50 बजे तक
ध्यान रखें कि पारण हमेशा द्वादशी तिथि समाप्त होने से पहले और हरि वासर बीतने के बाद ही करना चाहिए।

ब्रह्म, ऐन्द्र, शिववास का संयोग... इस साल 119 दिन बाद जागेंगे विष्णु

एकादशी से शुरू होने वाला चातुर्मास भगवान विष्णु के योगनिद्रा काल का समय है. इस दौरान मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं, परंतु पूजा-पाठ का विशेष महत्व है. चातुर्मास की अवधि हर साल अधिकमास और तिथियों के घटने-बढ़ने के कारण बदलती रहती है, जो 117 से 149 दिनों तक हो सकती है.

बेहद खास है देवशयनी एकादशी, जानें क्या करें और क्या न करें?

आषाढ़ माह में देवशयनी एकादशी 25 जुलाई को है। मान्यता है कि इस दिन इस दिन से भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने चले जाते हैं और कार्तिक माह में पड़ने वाली देवउठनी एकादशी पर जागृत होते हैं। माना जाता है कि देवशयनी एकादशी पर कुछ कार्यों को करने से श्री हरि नाराज होते हैं।

हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही शुभ फल की प्राप्ति के लिए व्रत भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी व्रत करने से साधक के जन्म-जन्मांतर में किए सभी पाप कट जाते हैं। आषाढ़ माह में देवशयनी एकादशी व्रत किया जाता है। इस दिन नियमों पालन जरूर करना चाहिए।

देवशयनी एकादशी पर क्या करें?

- इस दिन सुबह स्नान करने के बाद पीले वस्त्र धारण करने चाहिए, क्योंकि प्रभु को पीला रंग प्रिय है।
- भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए।
- एकादशी व्रत का संकल्प लेना चाहिए।
- इसके अलावा धन, अनाज और वस्त्र का दान करना चाहिए।
- प्रभु के भोग में तुलसी के पत्ते को अवश्य शामिल करना चाहिए।

देवशयनी एकादशी पर क्या न करें?

- देवशयनी एकादशी के दिन तामसिक भोजन करने से बचना चाहिए।
- इसके अलावा चावल के सेवन से दूर रहें।
- एकादशी तिथि पर महिला और बड़े बुजुर्गों का अपमान न करें।
- एकादशी पर तुलसी के पत्ते तोड़ना वर्जित है।
- किसी के प्रति मन में गलत विचार धारण न करें।

चातुर्मास में क्यों रहती है मांगलिक कार्यों पर रोक

सनातन धर्म के ज्यादातर लोग कोई भी शुभ कार्य करने से पहले मुहूर्त जरूर देखते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शुभ मुहूर्त में किए गए कार्यों का फल हमेशा शुभ ही मिलता है। हालांकि साल में चार महीने ऐसे भी होते हैं, जब कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है, जिसे चातुर्मास कहा जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि इस साल चातुर्मास का आरंभ और समापन कब हो रहा है?

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। इस दिन से ही चातुर्मास का आरंभ हो रहा है, जिसका समापन देवउठनी एकादशी के साथ होगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, चातुर्मास में भगवान विष्णु शयन काल में चले जाते हैं यानी इस समय वह अपनी आंखें बंद करके ध्यान लगाते हैं। लगभग चार महीने के बाद वो योग निद्रा से जागते हैं। इसी वजह से इस दौरान कोई भी शुभ काम नहीं किया जाता है। हालांकि इस समय पूजा-पाठ करना शुभ होता है। कहा जाता है कि जो लोग इन चार महीनों के दौरान देवी-देवताओं की पूजा करते हैं। उनकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। साथ ही उनके घर में सुख और शांति बनी रहती है।

चातुर्मास में कौन-कौन से कार्य नहीं करने चाहिए?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, चातुर्मास के दौरान किसी भी प्रकार का शुभ कार्य जैसे की शादी, सगाई, गृह प्रवेश, नामकरण आदि नहीं किए जाते हैं। 4 महीने तक प्याज और लहसुन आदि तामसिक भोजन करने की भी मनाही होती है। इस दौरान अगर कोई व्यक्ति शराब का सेवन करता है, तो उसकी कुंडली में ग्रह प्रभावित हो सकते हैं।

इन कार्यों की है मनाही

चातुर्मास के दौरान विवाह संस्कार, मुंडन, गृह प्रवेश आदि शुभ व मांगलिक कार्यक्रम नहीं किए जाते। इस दौरान बाल या दाढ़ी कटवाने की मनाही होती है। इसके साथ ही यह भी माना जाता है कि चातुर्मास के दौरान लंबी यात्राओं पर जाने से भी बचना चाहिए।

खानपान संबंधी नियम

चातुर्मास के दौरान जितना संभव हो सके, सात्विक भोजन ही करना चाहिए। इस समय में मांस, मछली, अंडे, प्याज और लहसुन जैसा तामसिक भोजन करने से बचना चाहिए। क्योंकि यह सेहत और धार्मिक दोनों ही दृष्टि से बेहतर माना गया है।

करें ये काम

अगर आप चातुर्मास में धार्मिक ग्रंथों को पढ़ते हैं या फिर अपना अधिकांश समय धार्मिक कार्यों में बिताते हैं तो इससे प्रभु श्री हरि आपसे प्रसन्न होते हैं। जिससे साधक के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही यह भी माना जाता है कि चातुर्मास में जमीन पर सोना और अधिकतर समय मौन रहना लाभदायक होता है।